राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 07 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-155 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूपी का जलालाबाद अब हुआ परशुराम पुरी

● योगी सरकार ने बदला शाहजहांपुर के कस्बे का नाम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। शाहजहांपुर के जलालाबाद कस्बे का नाम बदलकर परशुराम पुरी करने का प्रस्ताव पास हो गया है। नाम परिवर्तन के इस प्रक्रिया की शुरुआत मार्च 2018 से हुई थी। यह स्थान भगवान परशुराम की जन्मस्थली मानी जाती है। यहां भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर भी है। शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 और सितंबर 2023 में बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को पारित किया।

शाहजहांपुर के तत्कालीन डीएम ने अपनी संस्तुति के साथ प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा था। प्रदेश सरकार ने इसे केंद्र सरकार को आगे भेज दिया था। केंद्र सरकार ने 20 अगस्त, 2025 को राज्य सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे थी जिसे आज कैबिनेट बैठक में हरी झंडी दिखा दी गई है। **भगवान परशुराम की जन्मभूमि माना जाता है ये कस्बा-** कई पौराणिक ग्रंथों में इस छोटे से कस्बे को भगवान परशुराम की जन्मभूमि के रूप में वर्णित किया गया है। यही वजह है कि 2022 में सरकार ने इसे परशुराम जन्मभूमि के रूप में आधिकारिक घोषणा की थी।

सिया ने केतन मर्डर से पहले पढ़ा था राजा रघुवंशी केस

● मोबाइल हिस्ट्री से पता चला, यह भी जाना-क्या कस्टडी में महिला से मारपीट होती है

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। यह पूरी जानकारी सिया के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से

मिली। पुलिस 2 दिन पहले सिया को उसके घर लेकर गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। सिया गोयल के पिता ने उन दावों को खारिज कर दिया है कि उसने मीडिया की ओर कोई अश्लील इशारा किया था।

बिहार में तय समय पर होंगे पंचायत चुनाव

● पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने किया ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में पंचायत चुनाव को लेकर हलचल शुरू हो गई है। थर्ड राउंड के पदवार आरक्षण की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं होने की वजह से कहा जा रहा है कि इस बार पंचायत चुनाव तय समय यानी दिसंबर 2026 शायद ही पूरा हो सके। हालांकि बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने साफ कर दिया कि बिहार में समय पर पंचायत चुनाव होंगे। इसके साथ ही आरक्षण रोस्टर भी लागू रहेगा। आरक्षण के रोस्टर को लेकर पूछे गए सवाल पर बिहार के दीपक प्रकाश ने कहा कि आरक्षण का पिछला रोस्टर लागू हुए 10 साल हो गए हैं। प्रावधान के मुताबिक कानूनन 10 साल के बाद आरक्षण का नया रोस्टर लगू करना है। तो इस बार जो पंचायत चुनाव, 2026 में उसमें नया रोस्टर लगू किया जाएगा। **आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को बनाया आधार-** बिहार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश कुशवाहा ने बताया कि आरक्षण के रोस्टर को लेकर निर्वाचन आयोग के निर्देश में सारा काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि सभी जगह जनसंख्या का प्रकाशन किया गया है। आरक्षण के लिए 2011 की जनसंख्या को आधार बनाया है।

पाकिस्तान देखता रह गया, भारत ने मार लिया मैदान!

पीएम मोदी अब इंडोनेशिया में ठोकेंगे आखिरी कील!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया में बड़ा कदम रखने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से शुरू हो रहे अपने तीन देशों के दौरे में सबसे पहले इंडोनेशिया की यात्रा पर पहुंच गए हैं। पीएम मोदी के इस दौरे से पाकिस्तान की छटपटाहट बढ़नी तय है, क्योंकि पाकिस्तान पूरे क्षेत्र में खुद को इस्लामी देशों का अगुवा मानता है। वहीं, यह दौरा चीन को भी अखर सकता है, क्योंकि चीन इंडोनेशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों में लगा हुआ है। इंडोनेशिया के बेहद करीब मलक्का स्ट्रेट से ही चीन के ज्यादातर समुद्री जहाज गुजरते हैं। पीएम मोदी छह जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर रहेंगे। **चार बार जा चुके हैं पीएम-** व्यापक रणनीतिक भागीदारी के तहत पीएम सबसे पहले इंडोनेशिया दौरे पर हैं। इंडोनेशिया की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पीएम का यह इंडोनेशिया का चौथा दौरा है। मई 2018 में व्यापक रणनीतिक भागीदारी के साथ यह शुरू हुआ है।

● **इंडोनेशिया को ब्रह्मोस देगा! दुश्मन की उड़ी नींद-** भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत इंडोनेशिया से अपने रिश्ते तेजी से बढ़ा रहा है। खासतौर पर पीएम मोदी के कार्यकाल में रक्षा और समुद्री भागीदारी को बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं। इसमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की बिक्री भी शामिल है। पीएम मोदी के दौरे में इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने को लेकर डील हो सकती है।

समुद्री सतर्कता और हिंद-प्रशांत में सहयोग

भारत और इंडोनेशिया ने 2018 से ही हिंद-प्रशांत में समुद्री सहयोग को लेकर विजन शेयर किए थे। इसके तहत एक इंडोनेशियाई लाइजन ऑफीसर को तैनात किया गया है, जो हमारी समुद्री सतर्कता को बढ़ाने में मददगार होगा। भारत इंडोनेशियाई आर्मी के कैडेटों और ऑफिसरों को एनडीए और डीएसएससी में ट्रेनिंग भी देगा, जो रक्षा क्षमता को बढ़ाने में मददगार साबित होगा। भारत के इंडोनेशिया के साथ संबंध बढ़ाने के पीछे एक बड़ी वजह क्रिटिकल मिनरल भी है। इंडोनेशिया के पास क्रिटिकल मिनरल की खान है। इंडोनेशिया पूरी दुनिया में क्रिटिकल मिनरल के मामले में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इंडोनेशिया के पास पूरी दुनिया का करीब 21 फीसदी निकिल रिजर्व है। यह कॉपर, बॉक्साइट और टिन के मामले में दुनिया के टॉप उत्पादकों में से एक है। पीएम मोदी के इस दौरे में इस मामले में सहयोग को मजबूत किया जा सकेगा।

हाफिज ने रची थी पहलगाम हमले की साजिश

● एनआईए ने स्पेशल कोर्ट दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

एजेंसी ने भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी ने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। जम्मू की स्पेशल कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में उसे हमले की साजिश रचने,आतंकियों को संचालित करने और भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोपी बनाया गया है।

एनआईए चार्जशीट में क्या-क्या खुलासा

हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा था। साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था। टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद बड़े साजिशकर्ता हैं।

पहलगाम हमले के 3 गुनहगार ढेर हो चुके

एनआईए के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल पाक आतंकी फैसल जट्ट उर्फ सुलेमान, हबीब ताहिर उर्फ जिब्रान भाई और हमजा अफगानी को सुरक्षा बलों ने 28 जुलाई, 2025 को ढेर कर दिया था। भारत के टॉप वांटेड में शामिल आतंकी लंगड़ा पर 10 लाख का इनाम है। इन्हीं के पास से गो-प्रो कैमरा मिला था। भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेते हुए 6-7 मई की रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं थीं। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। हमले में मसूद अजहर की फैमिली के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए थे।

वेस्ट बंगाल के बाद अब झारखंड है हमारा लक्ष्य

● असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा बयान

कहा-राज्य में बदल रही डेमोग्राफी,बदलाव है जरूरी

रांची (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड को लेकर पार्टी की आगामी रणनीति पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के बाद अब भाजपा का अगला मुख्य लक्ष्य झारखंड होगा। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने झारखंड को भाजपा का एक 'अधूरा एजेंडा' बताते हुए कहा कि हालांकि पिछले चुनाव में गठबंधन के स्तर पर कुछ कमियों और अन्य दलों की ओर से वोट काटे जाने के कारण सफलता नहीं मिली, लेकिन असफलता ही सफलता का स्तंभ होती है।

डेमोग्राफिक और घुसपैठ पर जताई चिंता

मुख्यमंत्री सरमा ने बात करते हुए झारखंड की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि कई लोगों को इस बात का अंदाजा नहीं है कि झारखंड के कुछ जिले अंतरराष्ट्रीय सीमा के बहुत करीब हैं। सरमा के मुताबिक, मुर्शिदाबाद मार्ग के जरिए बड़ी संख्या में लोग झारखंड में दाखिल हुए हैं, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी (आबादी का ढांचा) बदल रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि बंगाल की तरह ही झारखंड को भी अपनी पहचान बचाने के लिए भाजपा की सख्त जरूरत है। झारखंड में भी आदिवासी गौरव को बचाना है।

एमपी में इसी महीने आएगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

● सीएम ने कहा-सभी के लिए एक ही कानून होगा ● कहा-सतगढ़ी इंडस्ट्रियल पार्क से देंगे 15 हजार रोजगार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- एमपी में इसी महीने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) आएगा। हिंदू भाई एक शादी करता है और सात फेरे लेता है, तो सभी के लिए ऐसा ही कानून होना चाहिए। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है। वह फिर दावा करेगी कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ है। कांग्रेसियों को याद रखना चाहिए कि एक समान नागरिक संहिता हर हाल में लागू की जाएगी। इसके लिए प्रदेश की जनता से राय ली गई है। 10 लाख से अधिक सुझाव मिले हैं। हम चाहते तो सीधे विधानसभा में कानून ला सकते थे, लेकिन जनता की राय के आधार पर फैसला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री यादव ने यह बात सोमवार को भोपाल के सतगढ़ी में

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क का भूमिपूजन करने के बाद कही।

वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित होगा इंडस्ट्रियल पार्क- सीएम ने कहा- करीब 173 एकड़ में बनने वाला यह स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क वर्क-लिव-ग्रो मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यहां उद्योगों के साथ कर्मचारियों के रहने, कौशल विकास और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे उद्योगों को बेहतर माहौल मिलेगा और निवेश की उम्मीद बढ़ेगी। पार्क में हाई वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग, गारमेंट, टॉयज, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, लॉजिस्टिक्स और नई तकनीक से जुड़े उद्योग स्थापित किए जाएंगे। यह परियोजना भोपाल को औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनाएगी। इससे 15 हजार से ज्यादा प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर बनेगा- स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क के तहत 25 एकड़ में विश्वस्तरीय कन्वेंशन एंड एग्जिबिशन सेंटर भी बनाया जाएगा। इसकी क्षमता 10 हजार से ज्यादा लोगों की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। इनमें से 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

सीएम बोले-यूका की जगह पर अस्पताल बनाएंगे

सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों की गति बढ़ रही है, इसलिए कांग्रेसियों की छाती पर सांप लोट रहा है। कांग्रेस ने यूनियन कार्बाइड (यूका) के आरोपियों को बचाने का काम किया। उन्हें विमान देकर भगा दिया था। हमने यूका का कचरा हटाया। वहां स्मारक बनाएंगे। अस्पताल भी बनाया जाएगा, जो लोगों को जीवन देने का काम करेगा। संविधान के अनुच्छेद 44 के भाग- 4 में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि 'राज्य, देशभर में नागरिकों के लिए एक यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने का प्रयास करेगा।' हमारे संविधान में नीति निदेशक तत्व सरकारों के लिए एक गाइड की तरह है। इनमें वे सिद्धांत या उद्देश्य बताए गए हैं, जिन्हें हासिल करने के लिए सरकारों को काम करना होता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: चंपत राय, अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

● पूर्व IFS कृष्ण मोहन नए महासचिव, ट्रस्ट बोला- घटना से हम शर्मिंदा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की पहली बैठक 3 घंटे चली। बैठक के बाद कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी बोले महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। चंपत राय ने कहा है कि जब तक अपराधी पकड़े नहीं जाते तब तक पद पर रहना सही नहीं है। जो हुआ वह कष्टदायी है। इससे हम सब दुखी हैं। चढ़ावा चोरी लज्जाजनक घटना है। ट्रस्टी के. पाराशरन ने कहा था कि त्यागपत्र देते ही इसे स्वीकार करना ट्रस्ट के संविधान में हैं। इसलिए इस्तीफा स्वीकार किया गया।

झमाझम बारिश से बिगड़े महाराष्ट्र के हालात

● सतारा में पुल टूटा, क्रेन से निकाली गई कारें ● घाटी में लैंडस्लाइड, हिमाचल में कार पर पत्थर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया। डीएम ने आज सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है।

● **कुल्लू में पागल नाले में बाढ़, मलबा आने से हाईवे बंद-** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में सुबह से हो रही बारिश के बाद आज पागल नाला में बाढ़ आ गई। इससे सारा मलबा हाईवे पर आ गया। इसके बाद लारजी को सैंज से जोड़ने वाला हाईवे वाहनों के लिए बंद हो गया है। मुंबई में लगातार बारिश से वसई-विरार के कई निचले इलाके पानी में डूब गए। कई सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। वसई-विरार से हर दिन लाखों लोग काम के लिए मुंबई आते-जाते हैं। सोमवार सुबह जलभराव और ट्रैफिक की वजह से लोगों को ऑफिस पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

● **महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही स्थगित-** मुंबई और आसपास के

इलाकों में भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए महाराष्ट्र विधानसभा की सोमवार की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रशासन अलर्ट पर है। उन्होंने लोगों से बेवजह यात्रा नहीं करने की अपील की। वहीं, रविवार को तेज हवाओं के बीच 350 पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं।

● **बालाघाट में नदी में बहे कार-जेसीबी-** मध्य प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। बालाघाट से आए वीडियो में किरनापुर-लांजी से होकर बहने वाली बाघ नदी में कार, जेसीबी और लोडर जैसी गाड़ियां बहती दिखीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोककला और भारतीय सांस्कृतिक चेतना की अमर स्वर-साधिका : तीजन बाई

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

लोककला का वास्तविक उद्देश्य समाज को उसकी जड़ों से जोड़ना है। लोकगीत, लोकनृत्य, लोकनाटक और लोककथाएँ किसी भी समाज के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों की संरक्षक होती हैं। वे उस समाज की सामूहिक स्मृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखती हैं। तीजन बाई का संपूर्ण जीवन इस विचार का सशक्त उदाहरण है कि लोककला किसी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान का आधार होती है। उन्होंने सिद्ध किया कि आधुनिकता और वैश्वीकरण के दौर में भी लोककलाएँ अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकती हैं, यदि उन्हें समर्पित साधक मिलें।

लेखाराम बिश्नोई

लेखक व विचारक

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता और लोक परंपराओं की समृद्धि है। भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्ट भाषा, बोली, संगीत, नृत्य और लोककला है। ये लोककलाएँ केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि हमारी सभ्यता की स्मृति, समाज की आत्मा और पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। इन्हीं लोक परंपराओं को अपनी अद्वितीय प्रतिभा, अथक साधना और ओजस्वी प्रस्तुति से विश्वभर में प्रतिष्ठा दिलाने वाली पद्म विभूषण सम्मानित लोक कलाकार तीजन बाई भारतीय लोकसंस्कृति की ऐसी अमर स्वर-साधिका थीं, जिनका महाप्रयाण भारतीय सांस्कृतिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि यदि प्रतिभा, परिश्रम और संस्कृति के प्रति समर्पण हो तो गाँव की लोकधारा भी विश्व के प्रतिष्ठित मंचों तक पहुँच सकती है।

तीजन बाई का जन्म छत्तीसगढ़ की मिट्टी में हुआ। बचपन से ही उन्होंने अपने परिवार और गाँव के वातावरण में महाभारत की कथाएँ सुनीं। इन कथाओं ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने लोकगायन की उस शैली को अपनाया जिसे पंडवानी कहा जाता है। पंडवानी केवल गीत नहीं, बल्कि महाभारत का जीवंत कथावाचन है, जिसमें संगीत, अभिनय, संवाद, भाव-भंगिमा और आध्यात्मिक अनुभूति का अद्भुत समन्वय होता है। यह लोककला श्रोताओं को केवल कथा नहीं सुनाती, बल्कि उन्हें महाभारत के पात्रों और घटनाओं के बीच ले जाकर खड़ा कर देती है।

तीजन बाई ने पंडवानी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उस समय यह कला मुख्यतः पुरुष कलाकारों तक सीमित मानी जाती थी, परंतु उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए अपनी प्रतिभा के बल पर इस क्षेत्र में असाधारण स्थान बनाया। उनकी बुलंद आवाज, प्रभावशाली अभिनय, सहज अभिव्यक्ति और महाभारत के पात्रों का सजीव चित्रण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता था। वे केवल गायिका नहीं थीं, बल्कि एक ऐसी कथावाचिका थीं जो अपने एकल अभिनय से संपूर्ण महाभारत को जीवंत कर देती थीं।

महाभारत भारतीय संस्कृति का केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का महान ग्रंथ है। इसमें धर्म-अधर्म, न्याय-अन्याय, कर्तव्य, त्याग, नीति, साहस, करुणा और मानव स्वभाव के अनगिनत आयाम समाहित हैं। तीजन बाई ने पंडवानी के माध्यम से इन शाश्वत मूल्यों को गाँव-गाँव और देश-विदेश तक पहुँचाया। उन्होंने महाभारत को केवल धार्मिक आख्यान के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के संघर्षों और नैतिक मूल्यों की प्रेरक कथा के रूप में प्रस्तुत किया। यही कारण है कि उनकी प्रस्तुतियाँ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा का भी माध्यम बन गईं।

लोककला का वास्तविक उद्देश्य समाज को उसकी जड़ों से जोड़ना है। लोकगीत, लोकनृत्य, लोकनाटक और लोककथाएँ किसी भी समाज के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों की संरक्षक होती हैं। वे उस समाज की सामूहिक स्मृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखती हैं। तीजन बाई का संपूर्ण जीवन इस विचार का सशक्त उदाहरण है कि लोककला किसी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान का आधार होती है। उन्होंने सिद्ध किया कि आधुनिकता और वैश्वीकरण के दौर में भी लोककलाएँ अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकती हैं, यदि उन्हें समर्पित साधक मिलें।

आज जब डिजिटल मनोरंजन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, तब अनेक लोककलाएँ विलुप्ति के संकट का सामना कर रही हैं। नई पीढ़ी अपनी पारंपरिक कलाओं से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में तीजन बाई का जीवन हमें यह संदेश देता है कि अपनी सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण केवल सरकारों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। यदि लोककलाएँ समाप्त हो जाएँगी तो हमारी सांस्कृतिक पहचान भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाएगी।

तीजन बाई को उनके अद्वितीय योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्म विभूषण सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उनकी प्रस्तुतियाँ विश्व के अनेक देशों में हुईं, जहाँ उन्होंने भारतीय लोकसंस्कृति और महाभारत की गौरवशाली परंपरा का परिचय कराया। विदेशी दर्शकों ने भी उनकी कला में भारत की आध्यात्मिक गहराई, सांस्कृतिक विविधता और लोकजीवन की आत्मा का अनुभव किया। वे वास्तव में भारतीय संस्कृति की सांस्कृतिक दूत थीं।

उनका व्यक्तित्व संघर्ष, आत्मविश्वास और साधना की प्रेरणादायक गाथा भी है। अत्यंत साधारण परिवार से निकलकर विश्व के प्रतिष्ठित मंचों तक पहुँचना इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। उन्होंने अनेक कठिनाइयों, सामाजिक विरोध और आर्थिक अभावों का सामना किया, परंतु कभी अपनी कला का साथ नहीं छोड़ा। यही समर्पण उन्हें महान बनाता है।

भारतीय संस्कृति सदैव यह मानती रही है कि कला केवल कौशल नहीं, बल्कि साधना है। कलाकार समाज का शिक्षक भी होता है और संस्कृति का संरक्षक भी। तीजन बाई ने अपने जीवन से इस आदर्श को चरितार्थ किया। उन्होंने लोककला को केवल जीवित नहीं रखा, बल्कि उसे नई प्रतिष्ठा प्रदान की। उनकी आवाज में भारतीय मिट्टी की सुगंध थी, उनके अभिनय में महाभारत की विराटता थी और उनकी साधना में भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट श्रद्धा थी।

आज उनके महाप्रयाण के बाद भी उनकी प्रस्तुतियाँ, उनके गीत और उनकी कला आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेंगी। वे भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच न हों, परंतु भारतीय लोकसंस्कृति के इतिहास में उनका नाम सदैव अमर रहेगा। उनकी स्मृति हमें यह संकल्प लेने के लिए प्रेरित करती है कि हम अपनी लोककलाओं, लोकभाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सक्रिय भूमिका निभाएँ। अंततः कहा जा सकता है कि तीजन बाई केवल एक लोक कलाकार नहीं थीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना की अमर स्वर-साधिका थीं। उन्होंने महाभारत के शाश्वत संदेश को लोकभाषा और लोकसंगीत के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाया। उनका जीवन भारतीय लोककला की शक्ति, संस्कृति की गरिमा और साधना की महिमा का उज्ज्वल उदाहरण है। भारतीय संस्कृति उनके इस अविस्मरणीय योगदान के लिए सदैव उनकी ऋणी रहेगी। उनकी स्वर-गाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी और भारतीय लोक परंपरा के इतिहास में उनका नाम सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

संपादकीय

जीवन-रक्षक न्यायिक पहल

कैसी विडंबना है कि जिस जिम्मेदार व्यवहार को शासन-प्रशासन को अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए करना चाहिए, उसकी पहल अदालत को करनी पड़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जरूरी नागरिक समस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान दिलाया है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है- सड़कों के किनारे छोड़े गए दुर्घटनाग्रस्त वाहन। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दरअसल, शिमला एयरपोर्ट तक जाने वाली सड़क और जिला अदालत के आस-पास पड़ी अनेक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को देखकर ही अदालत ने यह बात कही। कोर्ट का कहना है कि ये दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियां सड़क सुरक्षा के लिये खतरा और पर्यावरण के लिये नुकसानदेह हैं। निस्संदेह,यह प्रशासनिक लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। पहाड़ी राज्यों में, जहां सड़कें संकरी और घुमावदार होती हैं और लगातार भूस्खलन का खतरा बना रहता है, वहां सड़क की हर इंच जगह कीमती होती है। तार्किक ही है कि छोड़ी गई गाड़ियां सड़क की चौड़ाई को कम कर देती हैं। वहीं दूसरी ओर तीव्र मोड़ों पर देखने में बाधा डालती हैं। ये आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में भी बाधक बनती हैं। निस्संदेह, इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जब फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन चालक पहले ही ड्राइविंग में मुश्किलों का सामना कर रहे होते हैं। ऐसे में सड़कों को कबाड़खाने में तब्दील करने की इजाजत किसी भी कीमत पर नहीं दी जा सकती। दूसरी तरफ इन दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इनका पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव भी एक गंभीर समस्या है। क्षतिग्रस्त वाहनों से अक्सर ईंधन, इंजन ऑयल,कूलेंट, ब्रेक फ्लूइड तथा बैटरी एसिड रिसता रहता है। जिससे मिट्टी तथा जल-स्रोत प्रदूषित हो सकते हैं। हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में इस तरह के प्रदूषण के दूरगामी घातक प्रभाव हो सकते हैं। निश्चित रूप से पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निकायों, बीमा कंपनियों और न्यायपालिका के बीच तालमेल न होने के कारण ही समस्या जटिल बनी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के संबंध में जांच लंबित होने, बीमा संबंधी विवादों और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के लिये निर्धारित जगह न होने से यह समस्या जटिल बनी हुई है। इन सभी कारणों से ये दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़कों के किनारे यूं ही पड़े रहते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट ने समस्या के निदान के लिये एक कारगर एक्शन प्लान की मांग की है। जिसमें जब्त वाहनों के लिये खास यार्ड बनाने, डिजिटल तरीके से पड़ताल, जब्त वाहनों को छोड़ने के लिये समयबद्ध प्रक्रिया और स्क्रैपिंग सेंटरों के जरिये वैज्ञानिक तरीके से रीसाइक्लिंग की सख्त जरूरत है। देश की शीर्ष अदालत ने भी बार-बार कहा है कि जब्त गाड़ियों को अनिश्चित समय के लिये सड़कों पर सड़ने के लिये नहीं छोड़ा जा सकता। सड़क सुरक्षा के मायने सिर्फ ट्रैफिक नियमों को लागू करवाना या संरचना को बेहतर बनाना ही नहीं है। वास्तव में लोगों की जान बचाने के लिये दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सार्वजनिक स्थानों से हटाना भी एक बुनियादी प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

बरसा आसमान का कहरः लंबे इंतज़ार के बाद मानसून ने दिखाया रौद्र रूप, देशभर में जनजीवन अस्त-व्यस्त

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

लंबे इंतजार के बाद जब मानसून ने पूरे देश में दस्तक दी तो लोगों के चेहरों पर खुशी थी। भीषण गर्मी और पानी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को उम्मीद थी कि बारिश राहत लेकर आएगी, खेतों में हरियाली लौटेगी और जलस्रोत भर जाएंगे। लेकिन इस बार मानसून ने राहत से ज्यादा आफत का रूप दिखाया। देश के अनेक राज्यों में मूसलाधार बारिश ने बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और हादसों का ऐसा सिलसिला शुरू कर दिया कि जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा, सैकड़ों गांवों का संपर्क टूट गया, सड़कें नदियों में बदल गईं और करोड़ों रुपये की संपत्ति पलभर में तबाह हो गई। सबसे अधिक असर महाराष्ट्र में देखने को मिला। रायगढ़ जिले के जेनिथ वॉटरफॉल पर घूमने पहुंचे करीब 100 पर्यटक अचानक पानी का स्तर बढ़ जाने से बीच में फंस गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि प्रशासन को तत्काल राहत एवं बचाव दल भेजना पड़ा। रस्सियों की सहायता से सभी पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह घटना बताती है कि मानसून के दौरान प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। वहीं मुंबई महानगर और उसके आसपास के इलाकों में लगातार बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। वसई और नालासोपारा की सड़कें नदी में तब्दील हो गईं, जहां लगभग 20 कारें पानी में डूब गईं। कई स्थानों पर वाहन बहने लगे। मुंबई में 64 पेड़ गिरने और आठ मकानों की दीवारें ढहने की घटनाएं सामने आईं। आरे कॉलोनी में पेड़ की टहनी गिरने से बाइक सवार 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जिसने बारिश के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए।

पुणे में लगातार बारिश के कारण एक रिहायशी सोसायटी की चहारदीवारी ढह गई, जिससे पार्किंग में खड़ी सात कारें और सात मोटरसाइकिलें मलबे में दब गईं। ठाणे में पाइपलाइन फटने से सड़कें जलमग्न हो गईं। जगह-जगह जलभराव के कारण लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। रेल और सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ। महानगर की पुरानी जल निकासी व्यवस्था एक बार फिर भारी बारिश के सामने बेबस नजर आई।

गुजरात में भी मानसून ने जमकर तबाही मचाई। जूनागढ़ में कई रिहायशी इलाकों में चार-चार फुट तक पानी भर गया। हालात ऐसे हो गए कि लोगों को नावों के सहारे सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। बच्चों को स्कूल जाने और लोगों को दैनिक कार्यों के लिए नाव का सहारा लेना पड़ा। भावनगर में तेज बहाव में एक कार बह गई। अहमदाबाद सहित कई शहरों में सड़कें जलमग्न हो गईं और सामान्य जीवन प्रभावित हो गया। दुकानों, घरों और छोटे व्यवसायों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मात्र आधे घंटे की बारिश ने पूरे शहर की तस्वीर बदल दी। कई इलाकों में घरों के भीतर घुटनों तक पानी भर गया। टाटीबंध सहित अनेक कॉलोनियों में लोगों का घरेलू सामान खराब हो गया। बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई और लोगों को रातभर परेशानी का सामना करना पड़ा। कई परिवारों को अपने घर छोड़कर रिश्तेदारों या सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। बारिश का पानी घरों में घुसने से छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

मध्य प्रदेश में भी मानसून का असर बेहद गंभीर रहा। कई जिलों में नदियां उफान पर पहुंच गईं और पुलों के ऊपर से पानी बहने लगा। श्योपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। आष्टा क्षेत्र में डूबने से दो मासूम बच्चों की जान चली गई। हरदा जिले में नदी का जलस्तर इतना बढ़ गया कि पुलों पर आवागमन रोकना पड़ा। कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से कट गया।

उत्तर प्रदेश में कानपुर सहित कई शहरों में सड़कें जलमग्न हो गईं। घुटनों तक पानी भरने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हुई। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों में भी लगातार बारिश के कारण प्रशासन को अलर्ट जारी करना पड़ा। हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश के चलते बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें बंद हो गईं और यातायात बाधित हो गया।

बारिश के कारण केवल जान-माल का नुकसान ही नहीं हुआ, बल्कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक और निजी संपत्ति भी बर्बाद हो गई। हजारों वाहन क्षतिग्रस्त हुए, मकानों की दीवारें ढह गईं, बिजली के खंभे गिर गए और पेड़ उखड़ने से कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। किसानों की फसलें भी जलभराव से प्रभावित हुईं। जहां कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त बारिश खेती के लिए वरदान साबित हो सकती है, वहीं अत्यधिक वर्षा खेतों में खड़ी फसलों को नष्ट कर देती है। ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब बारिश का स्वरूप बदल रहा है। पहले जहां पूरे मौसम में संतुलित वर्षा होती थी, वहीं अब बहुत कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगी है। शहरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, जल निकासी व्यवस्था की खामियां, नालों पर अतिक्रमण और प्राकृतिक जलमार्गों का अवरुद्ध होना स्थिति को और गंभीर बना देता है। यही कारण है कि कुछ घंटों की बारिश भी बड़े शहरों को ठप कर देती है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी कई राज्यों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। कई स्थानों पर रेड और ऑरेंज अलर्ट घोषित किए गए हैं।

चिंतन मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनों के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

विचार मंथन

राम मंदिर में चढ़ावे में हुई चोरी के विरोध में राम रक्षा आंदोलन

(लेखक- सनत जैन)

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे में हुई चोरी के विरोध में राम रक्षा आंदोलन शुरू कर दिया गया है। इस आंदोलन को लेकर सबसे ज्यादा चिंता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उनसे जुड़े अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा को है। हिंदुओं के बीच में यह आंदोलन बड़ा प्रभाव डालने वाला हो सकता है। इस आंदोलन के माध्यम से शिवसेना ने संघ और भाजपा को उन्हीं की स्टाइल में घेरने की रणनीति अपनाई है। उद्धव ठाकरे ने मध्य मुंबई के दादर स्थित हनुमान मंदिर में हनुमान स्तोत्र, राम रक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग शामिल हुए। उद्धव ठाकरे ने मंदिर के बाहर एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा और दान में जो चोरी हुई है, इसकी निष्पक्ष जांच की जाए। उद्धव ठाकरे भगवा रंग का कुर्ता पहनकर हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि यदि हिंदुत्व की आस्था का गलत इस्तेमाल करके कोई मंदिर को लूटता है। ऐसे हिंदुओं को हम बख्शेंगे नहीं। रैली में उन्होंने एक नारा लगाया, जिसमें कहा हम भाजपा मुक्त राम का आवाहन करते हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए जो कारसेवा शिव सैनिकों ने की थी, बाबरी मस्जिद ढहने के बाद जब संघ और भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने अपना पल्ला झाड़ लिया था। उस समय बालासाहेब ठाकरे और शिव सैनिकों ने राम मंदिर के लिये कारसेवा की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली थी। शिव सैनिकों के ऊपर कई वर्षों तक मुकदमे भी चलते रहे। संघ और भाजपा ने हिंदुओं के बीच में जन जागरण के लिए विशेष रूप से गुजरात में हर मंगलवार को बजरंगबली के मंदिर के सामने हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता था।

गुजरात में बजरंगबली के मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करके हिंदुओं को एकजुट करने का संघ और भाजपा ने जो प्रयोग 1999 में शुरू किया था, वही प्रयोग 2026 में उद्धव ठाकरे ने अयोध्या मंदिर के चढ़ावे और दान में जो चोरी हुई है। उसको लेकर भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खोल दिया है। 2019 में भाजपा से अलग होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस से हाथ मिलाया था। उसके बाद से ही वह भाजपा के निशाने पर आ गए थे। देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना को तोड़कर एकनाथ शिंदे को उपमुख्यमंत्री बनवाकर उद्धव ठाकरे को हिंदू विरोधी साबित करने में जुटे हैं। दोबारा शिवसेना को तोड़ने की जो कोशिश की गई, उससे उद्धव ठाकरे अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना चुके हैं। जिस तरह से भाजपा ने हिंदुओं को एकजुट किया था। अयोध्या के राम मंदिर में जिस तरह से संघ और विश्व हिंदू परिषद के लोग काबिज हैं। उद्धव ठाकरे ने हिंदुओं के बीच में राम रक्षा आंदोलन शुरू करके भाजपा और संघ को नकली राम भक्त बताने की मुहिम शुरू कर दी है। इसका बड़े पैमाने पर असर हो रहा है। हिंदुओं की आस्था और भावनाओं से पिछले तीन दशक में जिस तरह से संघ और भाजपा ने खेल खेला है, उसकी कलई खोलने के लिए उद्धव ठाकरे को एक ऐसा मौका मिला है, जिसमें उन्होंने राम भक्त हनुमान के सहारे हनुमान चालीसा के जरिए, न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश भर में एक ऐसा आंदोलन शुरू करने की आधारशिला रख दी है। सभी गैर भाजपाई दल एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ यह आंदोलन खड़ा करने जा रहे हैं। 80- 20 का जो खेल, संघ के अनुवांशिक संगठनों और भाजपा ने खेला था, वही खेल अब उद्धव ठाकरे ने हिंदुओं के बीच खेलना शुरू कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी और संघ ने पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की आस्था को लेकर जो लड़ाई लड़ी थी। हिंदुओं को एकजुट किया था। हिंदुओं के सबसे बड़े खेरख्वाह बने थे। चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी और अयोध्या के राम मंदिर में संघ परिवार के कब्जे को लेकर, उद्धव ठाकरे सहित इंडिया गठबंधन ने मोर्चा खोल दिया है। राम रक्षा आंदोलन के माध्यम से संघ परिवार को निशाने पर लिया है। इससे संघ परिवार की चिंता निश्चित रूप से बढ़ गई है। तोड़-फोड़ की वर्तमान राजनीति में अब समझौते की गुंजाइश खत्म हो गई हैं। सारे क्षेत्रीय राजनैतिक दल अपने आपको बचाने के लिए भाजपा और संघ के खिलाफ एकजुट होते हुए दिख रहे हैं। ऐसी स्थिति में संघ परिवार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। संघ परिवार इस मामले को जल्द से जल्द शांत करना चाहता है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल इस मामले को अब अपने-अपने राज्यों में अलग-अलग तरीके से पलीता लगा रहे हैं। हिंदुओं की आस्था राम मंदिर में थी, राम मंदिर का निर्माण हुआ, जिस तरह से वहां पर चडावे और दान की चोरी हुई है, अयोध्या के राम मंदिर में संघ परिवार ने कब्जा कर लिया है। साधु संत भी वर्तमान स्थिति से नाराज हैं, शंकराचार्य नाराज हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेल कंपनियों के घाटे कम होने पर पेट्रोल-डीजल सस्ता होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट भारतीय ईंधन बाजार के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। यदि वैश्विक कीमतें अगले 7 से 10 दिनों तक अपने मौजूदा स्तर पर स्थिर रहती हैं, तो तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की बिक्री में नो-प्रॉफिट नो-लॉस की स्थिति में पहुंच जाएंगी, जिसके बाद कीमतों में राहत मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। वर्तमान में, सरकारी तेल कंपनियां पहले खरीदे गए महंगे स्टॉक के कारण अंडर-रिकवरी का सामना कर रही हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उन्हें 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है, जिससे उन पर दबाव है। विशेषज्ञों के अनुसार, कीमतें स्थिर रहने पर कंपनियां धीरे-धीरे घाटे से उबरकर संतुलन पर आएंगी। हालांकि, रसोई गैस (एलपीजी) पर अब भी प्रति सिलेंडर करीब 500 रुपये का नुकसान हो रहा है। इस गिरावट के कई कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ी है। साथ ही, सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में प्रमुख उत्पादक देशों ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से आपूर्ति सामान्य हुई है। ईरान और वेनेजुएला से तेल आपूर्ति बढ़ने से भी वैश्विक बाजार को राहत मिली है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली ।

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मॉनसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मॉनसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मॉनसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

ओपेक प्लस के उत्पादन वृद्धि से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड कई महीनों के निचले स्तर पर, वैश्विक आपूर्ति बढ़ने से निवेशक चिंतित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 71.73 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 68.43 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करते हुए कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए। इस गिरावट की मुख्य वजह तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक प्लस का उत्पादन बढ़ाने का फैसला और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आना है। ओपेक प्लस ने अगले महीने (अगस्त) से रोजाना 1.88 लाख बैरल अतिरिक्त तेल उत्पादन को मंजूरी दे दी है, जिसमें सऊदी अरब और रूस अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों पर सामान्य आवाजाही बहाल होने से आपूर्ति बाधित होने का खतरा टल गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे प्रमुख उत्पादकों का निर्यात भी लगभग संघर्ष-पूर्व स्तर पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक उपलब्धता और बढ़ी है। निवेशकों को अब आशंका है कि मांग के मुकाबले आपूर्ति की अधिकता हो सकती है, जिससे कीमतों पर दबाव बना रहेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.42 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर आ गया। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपये पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी निवेश आने पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रुपये को बहुत अधिक मजबूत होने देने के बजाय अपने विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने का प्रयास करता है।

आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.25 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 95.28 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 17 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के

मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 100.95 पर रहा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ऋण वृद्धि पहली तिमाही में 27 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का कुल ऋण चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये हो गया।गत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही के अंत में उसका बकाया ऋण 2.41 लाख करोड़ रुपये था। पुणे मुख्यालय वाले इस बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कुल ऋण में खुदरा, कृषि और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम खंड को दिए गए ऋण शामिल हैं, जो सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गए।समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का कॉरपोरेट ऋण भी 21 प्रतिशत बढ़कर 1.11 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा।बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसकी कुल जमा राशि 13 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में यह 3.05 लाख करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप बैंक का कुल कारोबार (कुल ऋण व जमा) 19 प्रतिशत बढ़कर 6.51 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 जून, 2025 को 5.46 लाख करोड़ रुपये था।बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में चालू खाता एवं बचत खाता (कासा) अनुपात कुल जमा का 49 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 50 प्रतिशत था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 521, निफ्टी 159 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। । आज ऑटो, रियल्टी और तेल एवं गैस शेयरों में विशेष रुप से अच्छी खरीदारी हुई। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 521.16 अंक ऊपर आकर 78,285.07 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159.50 अंक उछलकर 24,430.35 पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज़्यादा बढ़त हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयरों में आई। वहीं टीसीएस मैक्स हेल्थकेयर और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से आज रियल्टी के क्षेत्र में सबसे अधिक तेजी रही। इसके

बाद कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , ऑटो और ऑयल एंड गैस के शेयर उछले। मेटल इंडेक्स में भी बढ़त रही। दूसरी ओर, मीडिया सेक्टर में गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा पीएयू बैंक और आईटी शेयर भी गिरे। दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी रही।

आज कारोबार के दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 480.24 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 482.33 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव नहीं होने से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी 80.25 अंकों की बढ़त के साथ 24,351.10 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स भी 315 अंक चढ़कर 78,078.76 के स्तर पर खुला।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन अधिकांश एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 0.62 प्रतिशत और चीन का सीएसआई 300 लगभग 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। तकनीकी शेयरों में खरीदारी लौटने और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी आने से एशियाई बाजारों को समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। ब्रेंट क्रूड का जुलाई वायदा भाव करीब 71.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा, जो पिछले स्तर से लगभग 0.47 प्रतिशत नीचे था।

बाजार पर दबाव इसलिए भी बना क्योंकि ओपेक प्लस देशों ने जून और जुलाई के बाद अगस्त से भी उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई खास प्रगति नहीं हुई है, लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल आपूर्ति फिलहाल सामान्य बनी हुई है। कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में मजबूती देखने को मिली। गोल्ड फ्यूचर्स में करीब 2.11 प्रतिशत और सिल्वर फ्यूचर्स में 3.56 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

अमेरिकी न्याय विभाग का अदाणी मामले पर यू-टर्न केस शुरू ही नहीं होना चाहिए था

दो साल की जांच के बाद डीओजे ने कानूनी व अधिकार-क्षेत्र संबंधी आधारों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी ग्रुप के खिलाफ अपने ही एक हाई-प्रोफाइल मामले पर चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यह केस कभी शुरू नहीं किया जाना चाहिए था। लगभग दो साल की कड़ी अंतरराष्ट्रीय जांच के बाद आई यह टिप्पणी एक अभूतपूर्व कानूनी बदलाव है, जिसने अदाणी ग्रुप के निवेशकों की धारणा पर गहरा असर डाला था और बाजार में अरबों की वैल्यू खत्म की थी। डीओजे ने अपनी 4 जुलाई की कोर्ट फाइलिंग में मामले के कानूनी और अधिकार-क्षेत्र से जुड़े आधारों पर सवाल उठाए हैं। विभाग ने आरोपों को नाम खराब करने की एक ऐसी कोशिश बताया जो मुकदमा चलने की किसी भी वास्तविक संभावना के बिना की गई थी। डीओजे का स्पष्टीकरण है कि सिक्योरिटीज से जुड़े आरोप कभी नहीं लगाए जाने चाहिए थे और केस समाप्त करने का फैसला कई कानूनी, सबूतों व नीतिगत कारणों से सही था। विभाग के दोबारा मूल्यांकन का मुख्य आधार यह निष्कर्ष है कि कथित गड़बड़ी मुख्य रूप से भारत में हुई थी, जहां भारतीय अधिकारियों ने पहले ही इन आरोपों की जांच की थी और कोई कार्रवाई योग्य गड़बड़ी नहीं पाई थी। डीओजे के अनुसार जिन सिक्योरिटीज का मामला है, उनमें एक पैसा भी नहीं डूबा है। विभाग ने प्रॉसिक्यूशन की कई बड़ी खामियां भी स्वीकार कीं। हालांकि अदालत ने अभी केस खारिज करने पर कोई फैसला नहीं सुनाया है, डीओजे का यह स्पष्ट और कड़ा मूल्यांकन मामले की समझ को गहराई से प्रभावित करेगा।

नेक्स्ट भारत वेंचर्स का 2,000 करोड़ रुपए का नया कोष

कृषि, स्वास्थ्य, फिनटेक व सामाजिक हित में एआई स्टार्टअप पर फोकस

नई दिल्ली ।

जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन समर्थित नेक्स्ट भारत वेंचर्स ने सोमवार को 2,000 करोड़ के अपने दूसरे निवेश कोष की घोषणा की। यह कोष भारत में कृषि, वित्तीय समावेश, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक हित जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करने वाले स्टार्टअप को समर्थन देगा। नेक्स्ट भारत वेंचर्स का लक्ष्य ग्रामीण भारत, छोटे व मझोले शहरों तथा असंगठित व गिग क्षेत्र से जुड़े कामगारों के स्थानीय समुदायों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले स्टार्टअप्स में निवेश करना है। कंपनी इससे पहले अपने 340 करोड़ रुपए के पहले कोष के माध्यम से 20 से अधिक इम्पैक्ट ऑर्गेनाइजेशन में निवेश कर चुकी है। नेक्स्ट भारत वेंचर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि नए कोष का अधिकतर निवेश सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन एक एंकर लिमिटेड पार्टनर के रूप में करेगी। इसके अलावा, जापान की अन्य कंपनियों से भी निवेश जुटाया जाएगा। नाथ ने इस रणनीति का कारण बताते हुए कहा कि जापानी संस्थान निवेश के मामले में कहीं अधिक धैर्यवान होते हैं। कंपनी अगले तीन से चार वर्षों में इस 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

वाहन बिक्री ने जून में बनाया ऐतिहासिक रिकॉर्ड 21.83 फीसदी की बंपर वृद्धि दर्ज

फाडा ने बताया अब तक का सबसे बेहतर जून, सभी खंडों में रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारतीय वाहन खुदरा बाजार ने जून में शानदार प्रदर्शन किया, जहां कुल बिक्री सालाना आधार पर 21.83त्न बढ़कर 25,57,234 इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को बताया कि यह अब तक का सबसे बेहतरीन जून महीना रहा, जिसमें सभी खंडों - दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक और यात्री वाहन - ने रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 28.63 फीसदी बढ़कर 4,10,853 इकाई और दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.22 फीसदी बढ़कर 18,28,458 इकाई पर पहुंच गई। वहीं, तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में क्रमशः 16.2 फीसदी और 16.88 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने इस प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। जुलाई के लिए, 51.24 फीसदी डीलरों ने बिक्री में वृद्धि की उम्मीद जताई है, जो मजबूत सकारात्मक दृष्टिकोण दर्शाता है। इस आशावाद का आधार मानसून की स्थिति में सुधार, खरीफ बुवाई में तेजी और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी है। फाडा ने जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही के लिए डीलरों के भरोसे में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जहां 66.17 फीसदी डीलर बाजार में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नकदी प्रवाह में सुधार, इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों की बढ़ती मांग तथा नए मॉडल लॉन्च इस सकारात्मक रुझान को बनाए रखेंगे।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा- मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस ऑर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली ।

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लॉन्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत ऑर्डर, इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है। पिछले साल के कमजोर प्रदर्शन के मुकाबले इस साल बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिल सकता है। मजबूत बैंक लोन ग्रोथ, बढ़ता जीएसटी कलेक्शन और बेहतर आर्थिक गतिविधियां भी इस सकारात्मक रुख की ओर इशारा कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में मिडकैप कंपनियां बड़ी कंपनियों के मुकाबले बेहतर ग्रोथ दिखा सकती हैं, खासकर वे जिनके पास कारोबार बढ़ाने और बाजार हिस्सेदारी मजबूत करने की क्षमता है।

टाटा टेक्नोलॉजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे

बोर्ड बैठक में अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टॉक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलॉजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि ऑपरेशन से आय 22त्न बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। ऐ बिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था।

इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलॉजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

गुरुग्राम में ओबेरॉय रियल्टी की 8,109 करोड़ की लग्जरी इकाइयां बिकीं

दिल्ली-एनसीआर में पहली आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को मिला जबरदस्त प्रतिसाद

नई दिल्ली ।

मुंबई की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड ने गुरुग्राम के रियल एस्टेट बाजार में धमाकेदार प्रवेश किया है। कंपनी ने अपनी पहली दिल्ली-एनसीआर आवासीय परियोजना में हाल ही में लॉन्च की गई लग्जरी इकाइयों से मजबूत मांग के दम पर 8,109 करोड़ रुपए की सकल बुकिंग दर्ज की है।

यह सफलता कंपनी के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

ओबेरॉय रियल्टी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित उसकी पहली लग्जरी आवासीय परियोजना थ्री सिक्स्टी नॉर्थ को खरीदारों से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी ने 29 जून को इस परियोजना के पहले चरण की शुरुआत की घोषणा की थी, जिसमें छह टावर में कुल 832 आवासीय इकाइयां शामिल हैं।

इस 14.8 एकड़ की परियोजना में 13.52 लाख वर्ग फुट का रेरा कारपेट क्षेत्र (कुल 23.10 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र) बेचा गया है।

कंपनी ने बताया कि इस परियोजना में कुल 6,000 करोड़ रुपए का निवेश और 16,000 करोड़ रुपए की संभावित आय का अनुमान है। ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने परियोजना के लॉन्च के समय विश्वास व्यक्त किया था कि उनका ब्रांड एनसीआर बाजार में भी सफलतापूर्वक स्थापित हो सकता है, जो अब शुरुआती बिक्री आंकड़ों से सच साबित होता दिख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

● मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

● **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड-** इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

● ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया- दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या- फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

● पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुईं जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मज़ा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नितिन नवीन को लेकर भाजपा और आप में जुबानी जंग

-पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच सोशल मीडिया पर हुई तकरार

-आप कौन हैं, टिप्पणी से शुरू हुआ था विवाद, राम मंदिर मुद्दे तक पहुंचा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक टिप्पणी से हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी। इसके जवाब में केजरीवाल ने भी प्रधानमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

यहां बताते चलें कि पूरा विवाद रविवार को उस समय शुरू हुआ, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ दौरे पर शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल यह भ्रम न पालें कि हिंदू समाज उनके बहकावे में आने वाला है।

नितिन नवीन के इस बयान से संबंधित भाजपा की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संक्षिप्त टिप्पणी की, आप कौन हैं? इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और चर्चा का विषय बन गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकार पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि यह सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। पीयूष पद्माकर ने अपनी पोस्ट में नितिन नवीन के छात्र जीवन और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए उन्हें विनम्र और सरल व्यक्तित्व का नेता बताया था। राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को केजरीवाल की टिप्पणी का अप्रत्यक्ष जवाब माना गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने नितिन नवीन के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद, लेकिन साथ ही सवाल किया कि देश यह जानना चाहता है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन घोटाले और निर्माण में कथित अनियमितताओं के आरोपों में कार्रवाई कब होगी और दोषियों को सजा क्यों नहीं दी जा रही है।

केजरीवाल की इस प्रतिक्रिया के बाद राम मंदिर से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। फिलहाल भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सोशल मीडिया के जरिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

भारत की शरण में तिब्बती संघर्ष- दलाई लामा के 91वें जन्मदिन पर विशेष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा अपना 91वां जन्मदिन मना रहे हैं। खुद को एक साधारण भिक्षु कहने वाले दलाई लामा ने बीते 60 सालों से अधिक समय से तिब्बत के लोगों और उनके हितों के लिए अथक प्रयास किए हैं। इस वैश्विक संघर्ष में भारत उनकी कर्मभूमि रहा है, जिसने उनके मिशन को एक नया जीवन दिया। 14वें दलाई लामा, ल्हामो धोंडुप का जन्म 06 जुलाई 1935 को किंघई प्रांत के एक किसान परिवार में हुआ था और महज दो साल की उम्र में उन्हें तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के 14वें अवतार के रूप में पहचाना गया। साल 1950 में चीन ने तिब्बत पर शांतिपूर्ण मुक्ति का दावा कर कब्जा किया। किशोर दलाई लामा ने शुरुआती दौर में चीनी नेताओं से मुलाकातें कीं, लेकिन तिब्बत में चीनी दमन और ज्यादतियां जल्द ही मुखर होने लगीं। मार्च 1959 में, दलाई लामा को बिना अंगरक्षक के एक चीनी जनरल द्वारा नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, इस आमंत्रण ने अपहरण की आशंकाओं को जन्म दिया। हजारों तिब्बतियों ने उनके महल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, और चीनी हमले की अफवाहों के बीच 17 मार्च 1959 की रात को, तत्कालीन 23 वर्षीय दलाई लामा को सैनिक वेश में अपने परिवार और शीर्ष अधिकारियों के साथ ल्हासा से भागना पड़ा। उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूत से भारत में शरण का अनुरोध किया। भारत ने, तिब्बत को हमेशा एक स्वतंत्र देश मानते हुए (हालांकि 1954 में पंचशील समझौते के तहत चीन के तिब्बत क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया था), दलाई लामा का स्वागत किया। कुछ समय अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में रुकने के बाद, पंडित नेहरू से मुलाकात के बाद 03 अप्रैल 1959 को उन्हें औपचारिक रूप से शरण दी गई। हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला जल्द ही चीनी दमन से भाग रहे हजारों तिब्बती शरणार्थियों का घर बन गया और दलाई लामा ने भी वहीं स्थायी निवास बनाकर निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। भारत के इस साहसिक कदम ने चीन को नाराज कर दिया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड- इस 'पाप' में शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी : महंत नृत्य गोपाल दास

अयोध्या(एजेंसी)। (ईएमएस)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जारी विवाद के बीच सोमवार को हुई श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक से पहले ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं और उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। बैठक से पहले जारी बयान में महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति को निजी लाभ या राजनीतिक उद्देश्य से बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कथित 'पाप' में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। सूत्रों के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास हाल ही में स्वास्थ्य संबंधी कारणों से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। तीन जुलाई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बावजूद उनके सोमवार की बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है। पहले उनके वर्चुअल माध्यम से जुड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब इसके भी संकेत नहीं हैं।

गुजरात में शेरनी ने किया किसान पर हमला : आधे घंटे तक रहा जबड़े में हाथ

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले के गरजिया गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब एक शेरनी ने कालूभाई बोगभाई परमार नामक किसान पर हमला किया। कालूभाई जब सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहे थे, तभी शेरनी ने पीछे से उनकी पीठ पर वार कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद शेरनी ने उनका हाथ करीब आधे घंटे तक अपने जबड़े में दबाए रखा। कालूभाई ने अपनी जान बचाने के लिए लगातार संघर्ष किया और शेरनी को खरोंचा, जिसके बाद उसने उनका हाथ छोड़ दिया। घायल होने के बावजूद कालूभाई तुरंत वहां से भागने में सफल रहे। हमले से कुछ देर पहले, शेरनी ने हेमूभाई गढ़वी नामक एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला करने की कोशिश की थी। हेमूभाई ने बताया कि शेरनी उनकी भैंस के पास थी और जब उन्होंने भगाने की कोशिश की, तब वह सीधे उनकी ओर दौड़ी। वे बाल-बाल बचे और भागकर अपने भाई के घर में घुसकर दरवाजा बंद किया। यह घटना तब हुई है जब भावनगर जिला, गिर नेशनल पार्क के निकट होने के कारण, अक्सर जंगली शेरों की रिहायशी इलाकों और खेतों में मौजूदगी से जूझता रहता है। इस घटना के बाद गरजिया गांव और आसपास के इलाकों के पशुपालकों में अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम डेढ़ घंटे के भीतर मौके पर पहुंच गई और शेरनी को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पालीताना तालुका पंचायत सदस्य चेतन डाभी ने वन विभाग से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के शेरों को सुरक्षित रूप से जंगल में वापस छोड़ दें, क्योंकि ग्रामीण कई बार सुरक्षा व्यवस्था की कमी के बारे में सूचित कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

भैरव बाबा के मंदिर में वीआईपी दर्शन से 45 दिन में 3.09 करोड़ की आय

उज्जैन (एजेंसी)। काल भैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 रुपये की वीआईपी (शीघ्र दर्शन) व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। 20 मई से 3 जुलाई तक 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपये की आय हुई है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया है, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था भी सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की सुविधाओं, रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित करने में किया जाएगा।

दक्षिण के चार राज्यों में हटे 22.14 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दक्षिण भारत के चार राज्यों की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कुल 22.14 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार यह कार्रवाई मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई है। हटाए गए नामों में कर्नाटक के 6.12 लाख, आंध्र प्रदेश के 5.80 लाख, तमिलनाडु के 5.40 लाख और तेलंगाना के 4.82 लाख मतदाता शामिल हैं। आयोग का कहना है कि यह केवल ड्राफ्ट सूची है और अंतिम सूची जारी होने से पहले सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम सूची से हट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराकर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने पर उनके नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी मतदाता जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन अवश्य करें।

कर्नाटक में बिना हेडलाइट चल रही बसें , विपक्ष ने लगाए सरकार पर अनदेखी के आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सरकारी बस सेवाओं को लेकर विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो और तस्वीरों में दावा किया गया कि कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की कुछ बसें हेडलाइट खराब होने से रात में मोबाइल की टॉर्च के सहारे चलाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है राज्य सरकार के पास फंड नहीं है, जिसके चलते इन बसों की लाइटों को ठीक नहीं करवाया गया। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार पर परिवहन व्यवस्था की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। वहीं इस पूरे मामले में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारास्वामी ने एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय ने पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत 4,500 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की थीं। दिसंबर 2025 में ही कन्फर्मेशन मिलने के बावजूद राज्य सरकार लेटर ऑफ़ अवार्ड तक जारी नहीं कर पाई है, जिससे पूरी प्रक्रिया रुकी गई है।

करूर भगदड़: सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

- डीएमके नेता आरएस भारती ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने की भारत की तारीफ... कांग्रेस को लगी मिर्ची

मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर भारत और भारतीयों की जमकर तारीफ की थी। उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की बात कही थी, जिसके जवाब में नेतन्याहू ने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। हालांकि, उनके बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने न केवल नेतन्याहू, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लेकर भारत के मूल्यों से विश्वासघात बताया है।

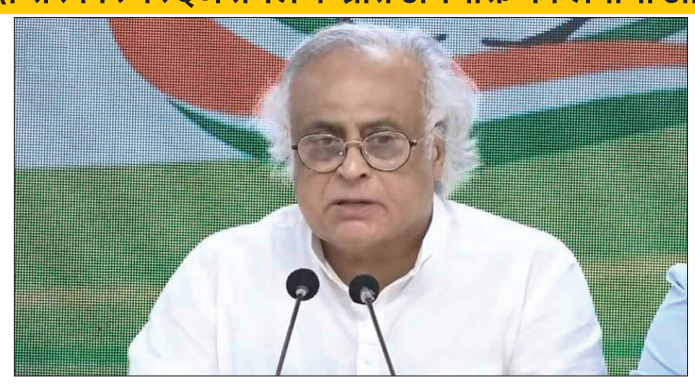

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेतन्याहू के दावे को सीधे तौर पर खारिज किया कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, पीएम नेतन्याहू गलत हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का आरोप लगाकर कहा कि करोड़ों भारतीय इजरायल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चों को भी बख्शा नहीं गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन, ईरान पर भारी हवाई हमलों और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को मानवता पर सीधे हमले बताया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की पत्थर जैसी चुप्पी को भारत की सभ्यतागत विरासत और मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उनके अनुसार, स्वयंघोषित विश्वगुरु की इजरायल की इन कार्रवाइयों पर ऐसी चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि नेतन्याहू जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े नेता से तमगा मिलना भारत के लिए कोई सम्मान की बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेतन्याहू के प्रति खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र मानते हैं, निराशा और गुस्से में हैं।

दरअसल, पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध रोकने की डील को लेकर इजरायल और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में मतभेद सामने आए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से कहा था कि उन्हें समझना चाहिए कि इजरायल अब दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और उसे केवल अमेरिका जैसी बड़ी ताकत का साथ मिल रहा है। वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर नेतन्याहू ने अमेरिका को याद दिलाया कि भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के लोगों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस को बेंजामिन नेतन्याहू की यही बात खटक गई और केंद्र सरकार को घेर लिया है।

एलओसी पर मंडराता नजर आया पाक ड्रोन, भारतीय सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी साजिशें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार तड़के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अग्रिम इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल देखी गई। ड्रोन की इस संदिग्ध गतिविधि के बाद भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान की शुरुआत की है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात की है, जिसके बाद सोमवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम गांवों मीनका और बेरीपट्टन के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी गई। यह वस्तु हूबहू एक सैन्य या जासूसी ड्रोन जैसी लग रही थी। एलओसी के बिल्कुल करीब स्थित इन गांवों के ऊपर यह ड्रोन कुछ समय तक मंडराता रहा। भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के कुछ ही मिनटों बाद यह संदिग्ध ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा की ओर लौट गया। सीमा पर तैनात सतर्क जवानों ने जैसे ही इसकी भिनभिनाहट सुनी और रोशनी देखी, तुरंत पूरे सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के वापस लौट जाने के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने बिना वक्त गंवाए मीनका और बेरीपट्टन समेत आसपास के पूरे जंगली और मैदानी इलाके की घेराबंदी कर दी। सोमवार सुबह पहली किरण के साथ ही सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। आमतौर पर सीमा पार से आने वाले इन ड्रोनों का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका दो मुख्य मकसदों के लिए करते हैं। घाटी में सक्रिय आतंकियों के लिए आईईडी, पिस्तौल, ग्रेनेड या अत्याधुनिक राइफलें गिराना।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का ज़िक्र कर पीएम मोदी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा मानसिक रूप से अस्थिर बताए जाने के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा दिया हैं। उन्होंने कहा कि उन पर निजी हमले न, तब भारत की समस्याओं का समाधान करे और न ही देश-विदेश में पीएम मोदी की गिरती साख को बहाल करे। भारतीय मिसाइल हमलों को रोकने में विफल रहने वाले आसिफ ने फिर भारत पर प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाकर दावा किया कि उन पर किए जा रहे हमले मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि और उन्हें मिले विदेशी सम्मानों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

अपने पोस्ट में ख्वाजा आसिफ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र किया, जिन्होंने पहले पीएम मोदी को मिले पुरस्कारों की आलोचना की थी। आसिफ ने दावा किया कि राहुल गांधी भी मोदी को मिले पुरस्कारों को एआई-जनरेटेड या खुद से मैनेज किए बता चुके हैं, जिससे एक वैश्विक धोखेबाज के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। पाकिस्तानी मंत्री ने रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि विदेशी अखबार ने भी मोदी को मिले कुछ पुरस्कारों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि मोदी के विदेशों से नकली सम्मान हासिल करने के हताश प्रयास उनकी उस साख को स्थिर करने की कोशिश है, जो देश में दयनीय रूप से अस्थिर है, खासकर पिछले साल पाकिस्तान से मिली हार के बाद।

दरअसल, पाकिस्तानी सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और रक्षा मंत्री आसिफ जैसे कई पाकिस्तानी नेता प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के देशों से मिले सर्वोच्च सम्मानों को पचा नहीं पा रहे हैं। वे मोदी पर इन सम्मानों को सोच-समझकर किए गए जनसंपर्क अभियान में बदलने का आरोप लगाते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2016 से अब तक दुनिया के 34 विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सर्वोच्च नागरिक और राजकीय सम्मान मिल चुके हैं। वह इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले भारतीय नेता हैं। पीएम मोदी को नॉर्वे, स्वीडन, इजरायल, रूस (सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोस्टल), फ्रांस (सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान), अमेरिका (लीजन ऑफ मेरिट-चीफ कमांडर डिग्री), कुवैत, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मालदीव, फिलीस्तीन और अफगानिस्तान जैसे देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

-मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था।

मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

केतन हत्याकांड: सिया ने राजा रघुवंशी केस और कस्टडी में हिंसा पर की थी रिसर्च

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात को अंजाम देने से पहले इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड का गहन अध्ययन किया था। पुलिस ने सिया के मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से पता लगाया है कि सिया ने पुलिस हिरासत में महिलाओं के साथ मारपीट की संभावनाओं पर भी इंटरनेट पर सर्च किया था। यह चौंकाने वाली जानकारी सिया के दोनों मोबाइल फोन की जांच से सामने आई है, जिसमें से एक हाल ही में उसके बेडरूम से जब्त किया है।

सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर 18 जून को केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का देने का आरोप है। फिलहाल दोनों आरोपी 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के अगले ही दिन सिया केतन के घर पहुंचकर उसके पिता को सांत्वना देती रही और बोली कि केतन उन्हें ऊपर से देख रहा है। जांच में सामने आया कि 18 से 23 जून तक दोनों आरोपी सामान्य जिंदगी जीते रहे और गिरफ्तारी के बाद भी उनके चेहरों पर पछतावा नहीं दिखा।

जांच में पता चला है कि केतन की हत्या का प्लान 31 मई को तब सूझा जब केतन ने सिया से ट्रेकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। हत्या को अंजाम देने से पहले दो बार असफल कोशिशें की गईं। 5 जून को सिया ने बाली की यात्रा रोकने के लिए केतन का पासपोर्ट छिपाया। इसके बाद 14 जून को सिया ने केतन को दोबारा धक्का दिया, लेकिन वह पेड़ के सहारे बच गया और सिया ने सांप का बहाना बनाकर अपनी हरकत को छिपाया। अंततः 18 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने केतन को किले पर बुलाया गया, जहां चेतन के साथ मिलकर उसे खाई में धकेल दिया गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि केतन की हत्या का दूसरा आरोपी चेतन चौधरी एक ही मोबाइल में दो नंबर इस्तेमाल कर सिया से कोडवर्ड में बात करता था। राजा रघुवंशी हत्याकांड, जिसमें कारोबारी राजा को उसकी पत्नी और प्रेमी ने मेघालय में खाई में धकेला था, सिया के लिए एक संभावित प्रेरणा स्रोत बना, जिससे उसकी आपराधिक मानसिकता और पूर्वनियोजित साजिश का पता चलता है। घटना के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को 'दोषपूर्ण' बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला 'एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था।' न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को 'दुनिया का पुलिसकर्मी' बनने की आवश्यकता नहीं है। विभाग ने 2024 में जो बाइडन प्रशासन के तहत अदाणी और अन्य पर आरोप लगाए थे। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने की योजना में शामिल होने का आरोप था। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने अमेरिकी निवेशकों से कम से कम 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। न्याय विभाग ने कहा कि अभियोजकों को मामले छोड़ने के निर्णयों को सार्वजनिक रूप से उचित ठहराने की आवश्यकता भविष्य में ऐसी बर्खास्तगियों को हतोत्साहित करेगी। यह आंतरिक विचार-विमर्श को उजागर करेगा और कार्यकारी शाखा के सांविधानिक अधिकार का उल्लंघन करेगा।

ईरान : गाजा-लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई पर भड़के पेजेशकियन, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को घेरा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शनिवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में इस्राइल की कार्रवाइयों की निंदा की। उन्होंने अमेरिका पर इस्राइल को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों और प्रभावशाली लोगों की निशाना बनाकर हत्याएं की गई हैं। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन तेहरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इमाम खामेनेई; द इटरनल लीडर ऑफ रेजिस्टेंस' में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रभाव पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं मानवाधिकारों की रक्षा का दावा करती हैं। लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल रही हैं। पेजेशकियन ने कहा, अगर इस्लामी देश मिलकर काम करें तो गाजा, लेबनान और फलस्तीन में संघर्ष और मानवीय संकट को रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस्लामी संप्रदायों और जातीय समूहों में विभाजन बाहरी ताकतों को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई का मार्गदर्शन दुनियाभर में आज भी प्रेरणा देता है। उनका संदेश एकता, गरिमा, स्वतंत्रता और प्रतिरोध के रूप में पहले से ज्यादा मजबूत हो गया है। राष्ट्रपति ने घरेलू और विदेशी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन इस्लामी दुनिया में एकता और सहयोग को मजबूत करेगा तथा हिंसा, आतंकवाद और प्रभुत्व (दबदबे) की नीतियों के खिलाफ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने अली खामेनेई की मौत का जिक्र किया और इसे दुखद लेकिन प्रेरणादायक बताया। पेजेशकियन ने कहा कि ऐसे दिव्य नेताओं के विचार उनकी मृत्यु के बाद भी जीवित रहते हैं और आने वाली पीढ़ियों को न्याय और प्रतिरोध की राह पर प्रेरित करते रहते हैं।

कांगो में छात्रों को ले जा रही नाव नदी में डूबी, कम से कम 20 लोगों की मौत

किंशासा, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो में राज्य स्तरीय परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों को ले जा रही एक नाव शुक्रवार को नदी में डूब गई। अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह नाव कसाई प्रांत में संकुरू और कसाई नदियों के संगम क्षेत्र में प्रवेश करते समय डूब गई। कांगो में नाव हादसे आम हैं। देर रात यात्रा, क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाना, कमजोर सुरक्षा व्यवस्था और दूरदराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछले कुछ वर्षों में ऐसे हादसों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। कसाई प्रांत के इलेबो क्षेत्र के प्रशासक फ्रांस्वा कबुला ने कहा, '80 लोगों को बचा लिया गया है और 20 शव बरामद किए गए हैं।' हालांकि, हादसे के प्रत्यक्षदर्शी त्शिकुडी जीन ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को बताया कि नाव में 200 से अधिक लोग सवार थे।

अमेरिकी कांग्रेस की सुनवाई में सीआईए ने विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और जेलों के इस्तेमाल की जांच की

वाशिंगटन, एजेंसी। इस हफ्ते हुई कांग्रेस की एक सुनवाई में अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) के कोल्ड वॉर के दौर के एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम की फिर से जांच शुरू हुई। इसमें सांसदों और एक्सपर्ट गवाहों ने आरोप लगाया कि एजेंसी ने दशकों तक इस प्रोग्राम के दायरे को छिपाए रखा और अमेरिका में यूनिवर्सिटी, हॉस्पिटल, जेल और दूसरी जगहों का इस्तेमाल करके बिना जानकारी वाले लोगों पर 'माइंड-कंट्रोल' (दिमाग पर काबू पाने) के एक्सपेरिमेंट किए। फेडरल सीक्रेट्स को सार्वजनिक करने के मामले में 'हाउस ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी कमेटी' की टास्क फोर्स ने इतिहासकार स्टीफन किन्जर और पत्रकार टॉम ओ'नील के बयान सुने। उन्होंने तर्क दिया कि सीआईए प्रोग्राम के अहम पहलू अभी भी छिपे हुए हैं, क्योंकि कई रिकॉर्ड जान-बूझकर नष्ट कर दिए गए थे या उनमें से कई जानकारियां हटा दी गई थीं। सुनवाई की शुरुआत करते हुए टास्क फोर्स की अध्यक्ष अन्ना पॉलिना लुना ने कहा कि एमके-अल्ट्रा प्रोग्राम न तो कोई पॉलिसी की विफलता थी और न ही कोई ऐसा अति-उत्साही कार्यक्रम, जो नियंत्रण से बाहर हो गया हो।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का एक सोच-समझकर और व्यवस्थित तरीके से चलाया गया ऑपरेशन था, जिसमें अमेरिकी नागरिकों, कैदियों, अस्पताल के मरीजों, पूर्व सैनिकों और आम लोगों को उनकी जानकारी या सहमति के बिना एलएसडी,

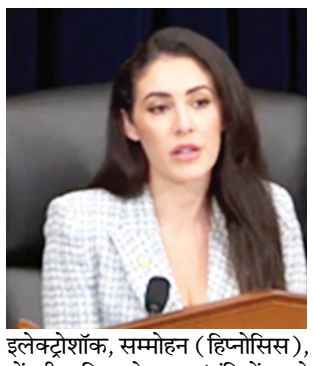

इलेक्ट्रोशॉक, सम्मोहन (हिप्नोसिस), सेंसरी डिप्राइवेशन (इंद्रियों को संवेदना से वंचित रखना) और मानसिक प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। लुना ने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीआईए निदेशक रिचर्ड हेल्स ने 1973 में पद छोड़ने से पहले एमके-अल्ट्रा फाइलकों को नष्ट करने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने 'न्याय में बाधा' और 'संघीय अभिलेखों का आपराधिक विनाश' बताया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एमके-अल्ट्रा के अतिरिक्त अभिलेखों की खोज की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने और प्रतिनिधि एरिक बर्लिसन ने हाल ही में सीआईए मुख्यालय का दौरा किया था। लुना ने कहा, 'सीआईए वर्तमान में हाल ही में मिले दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने आगे कहा कि ये रिकॉर्ड एमके-अल्ट्रा के तहत चलाए जा रहे एक जालसाजी कार्यक्रम से संबंधित हैं। पॉइजनर इन चीफ के लेखक किंजर ने गवाही दी कि यह प्रोग्राम अमेरिका और विदेशों में जेलों, क्लीनिकों और सेफ हाउस तक फैला हुआ था। उन्होंने कहा, 'इंसान के दिमाग और शरीर को खत्म करने के तरीकों की तलाश में एमके-अल्ट्रा ने मानव पर अब तक के सबसे खतरनाक एक्सपेरिमेंट किए, जो किसी अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने कभी नहीं किए।' उन्होंने कहा कि किसी भी स्टैंडर्ड से वे मेडिकल टॉर्चर के तौर पर सही हैं। उन्होंने कहा कि बचे हुए रिकॉर्ड दिखाते हैं कि एमके-अल्ट्रा में कम से कम 149 सबप्रोजेक्ट्स थे, जिनमें 80 से ज्यादा इंस्टीट्यूशन और 185 नॉन-गवर्नमेंट रिसर्चर शामिल थे। किंजर ने कांग्रेस से डीक्लासिफाइड फाइलों से बाकी बचे हुए बदलावों को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अब 70 साल बीत चुके हैं। यह बात अब वैलिड नहीं रह सकती।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस कमेटी से आग्रह करूंगा कि हमारे पास जो डॉक्यूमेंट्स हैं, उनमें सभी खाली जगहों को भरने की कोशिश करे। ओ'नील, जो 'कैओस' के लेखक हैं, ने सांसदों से कहा कि उनका मानना ??है कि पिछली कांग्रेस की जांच में प्रोग्राम का पूरा ब्योरा नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कांग्रेस को इस कार्यक्रम की वास्तविक उपलब्धियों के बारे में कभी सच नहीं बताया गया। एजेंसी ने 1977 में कांग्रेस को गुमराह किया था जब उसने एमके-अल्ट्रा को एक असफल कार्यक्रम बताया था। उन्होंने गवाही दी कि उनके शोध में मनोचिकित्सक लुई जोल्योन वेस्ट और सिडनी गॉटलिब, जो एमके-अल्ट्रा का नेतृत्व करने वाले सीआईए वैज्ञानिक थे, के बीच पत्राचार का पता चला, जिसमें एलएसडी, सम्मोहन और अनजाने मानव विषयों से जुड़े प्रयोगों पर चर्चा की गई थी। ओ'नील के अनुसार, उन्हें मिले दस्तावेजों में अनिच्छुक व्यक्तियों से सच्ची जानकारी निकालने और उनमें झूठी जानकारी डालने तथा पहले से वफादार व्यक्तियों के दृष्टिकोण और विश्वासों को बदलने के प्रयासों का वर्णन किया गया है। सांसदों ने गवाहों से बार-बार उन आरोपों के बारे में सवाल किए कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, जेलों और सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल सीआईए द्वारा वित्त पोषित संगठनों के माध्यम से गुप्त प्रयोग करने के लिए किया गया था। ओ'नील ने लेक्सिंगटन एडिक्शन सेंटर, लैकलैंड एयर फोर्स बेस हॉस्पिटल, होम्सबर्ग जेल, वैकाविल जेल और कई विश्वविद्यालयों सहित उन संस्थानों की पहचान की, जो सुनवाई के दौरान चर्चा किए गए शोध से जुड़े थे। दोनों गवाहों ने पीड़ितों की पहचान करने और अतिरिक्त रिकॉर्ड जारी करने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। ओ'नील ने बताया कि 1977 की सुनवाई के बाद वादा की गई संघीय जांच कभी पूरी तरह से साकार नहीं हुई, जबकि किंजर ने कांग्रेस से शेष गोपनीय फाइलों की जांच करने और पहले से जारी की गई फाइलों से संपादन हटाने का आग्रह किया।

अमेरिका का 250वां स्वतंत्रता दिवस : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने नागरिकों से लोकतंत्र की रक्षा करने का किया आग्रह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन से जुड़े चार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझा संदेश देते हुए कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र अभी भी निरंतर विकसित होने वाली व्यवस्था है और इसकी मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। हालांकि, देश के मौजूदा राजनीतिक माहौल को लेकर चारों नेताओं ने अलग-अलग आकलन पेश किए। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन और जो बाइडेन, सभी ने इस मौके पर अमेरिकियों से डेमोक्रेटिक मूल्यों की रक्षा करने, नागरिक जीवन में हिस्सा लेने और देश के संस्थापकों द्वारा बताए गए एक ज्यादा व्यवस्थित संघ की दिशा में कोशिश करते रहने की अपील की। पूर्व राष्ट्रपति ओबामा ने कहा, 'अमेरिका लगातार आगे बढ़ रहा है। हर पीढ़ी को पिछली पीढ़ी के अधूरे काम को आगे बढ़ाना चाहिए, जो सही है उसकी रक्षा करनी चाहिए, जो गलत है उसे ठीक करना चाहिए और हमारे यूनियन को थोड़ा और बेहतर बनाना चाहिए। 250 साल बाद, यह पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।'

पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने भी यही बात कही। उन्होंने कहा, 'हमारे डेमोक्रेसी के बारे में कुछ भी सुनिश्चित नहीं है। हमें इसके लिए लड़ना होगा, इसे बचाना होगा और इसे कमाना होगा। बार-बार, साल दर साल। यह कोई बोझ नहीं है। एक अमेरिकी होने का यही मतलब है।'

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि अमेरिका अभी तक स्वतंत्रता की घोषणा (डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस) में निहित आदर्शों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाया है, लेकिन हमने कभी उन आदर्शों का साथ नहीं छोड़ा है। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि हम भविष्य में भी कभी उन आदर्शों से पीछे न हटें। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने नागरिक जिम्मेदारी और उन स्वतंत्रताओं पर जोर दिया, जिनके बारे में उनका कहना था कि उन्होंने पीढ़ियों से अमेरिका की पहचान और मूल्यों को आकार दिया है। बुश ने एक वीडियो मैसेज में कहा, 'अगले 250 सालों में अमेरिकियों को दर्शक नहीं, बल्कि नागरिक बनना होगा। अमेरिकियों को अपने देश और जिन समुदायों में वे रहते हैं, उनके स्वास्थ्य और भलाई में सक्रिय रुचि लेने की जरूरत है।' उन्होंने वोटिंग को एक शक्तिशाली आजादी करार दिया और कहा कि इसका हमें सम्मान करना चाहिए। उन्होंने प्रर्थना की आजादी, प्रेस की आजादी और सामुदायिक सेवा की आजादी को ऐसे स्थायी मूल्य बताया जो अमेरिकियों को एकजुट करते रहते हैं। क्लिंटन ने चारों पूर्व राष्ट्रपतियों में से सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने आगाह किया कि गहरे विभाजन के एक और दौर के बीच अमेरिका अपनी 250वीं सालगिरह मना रहा है।

हाफिज सईद का बेटा तल्हा संभालेगा लश्कर-ए-तैयबा की कमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पिछले साल भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को तहस-नहस कर दिया था। अब खबर आ रही है कि इस आतंकी गुट ने खुद को दोबारा खड़ा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हफ्तों तक चले आंतरिक विवाद और विचार-विमर्श के बाद संगठन ने अपने संस्थापक हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद को नया ऑपरेशनल कमांडर नियुक्त करने का फैसला किया है। लश्कर के पुराने धड़े के दबाव के कारण उम्रदराज हाफिज सईद को पूरी तरह दरकिनार नहीं किया गया है। वह संगठन के मार्गदर्शक और वैचारिक प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। जमीनी अभियानों की पूरी कमान अब तल्हा सईद के हाथों में होगी।

तीन क्षेत्रों के लिए तीन कमांड : भारतीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की देखरेख में लश्कर ने अपने नेटवर्क का पूरी तरह से ढांचा बदल दिया है। नए प्लान के तहत, लश्कर अब पाकिस्तान के भीतर तीन अलग-अलग क्षेत्रीय ऑपरेशनल कमांड के माध्यम से काम करेगा। बलूचिस्तान विंग, खैबर पख्तूनख्वा विंग और पाक अधिकृत कश्मीर विंग। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमलों से बुरी तरह बेहाल हैं। कई पाकिस्तानी सैनिकों ने अपनी चौकियां छोड़ दी हैं। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पाकिस्तानी तंत्र ने अब लश्कर के आतंकियों को अपनी सेना के साथ मिलकर टीटीपी और बीएलए के खिलाफ जंग में झोंक दिया है। क्षेत्रीय कमांड बनाने का मुख्य उद्देश्य स्थानीय आतंकियों को भर्ती करना है। लश्कर का मानना है कि स्थानीय लोग वहां के भूगोल और रसद से बेहतर वाकिफ होते हैं, जिससे हालिया महीनों में खुफिया विफलता के कारण जो नुकसान झेलना पड़ा है उसकी भरपाई की जा सके।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्न: ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ। अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके। भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड

आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया।

ट्रम्प बोले- हम एक देश और एक परिवार : ट्रम्प ने कहा कि 'हम एक देश हैं, एक परिवार हैं और एक ही झंडे के नीचे खड़े हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका की ताकत उसकी एकता और साझा मूल्यों में है। ट्रम्प ने कहा कि पिछले 250 वर्षों में अमेरिका ने कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन देश हमेशा एकजुट होकर आगे बढ़ा। उन्होंने लोगों से देश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने के लिए कहा।

कम्युनिज्म हमेशा हारा है और आगे भी हारेगा : अपने भाषण में ट्रम्प ने कहा कि कम्युनिज्म हमेशा हारने वाली विचारधारा रही है और आगे भी हारती रहेगी।' उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट व्यवस्था अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक, अमेरिका की पहचान आजादी, लोकतंत्र और व्यक्तिगत अधिकारों से है, जबकि कम्युनिज्म इन मूल्यों के खिलाफ है। ट्रम्प ने कहा, 'हमारे सैनिकों ने दुनिया भर के युद्धक्षेत्रों में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह लड़ाई इसलिए नहीं लड़ी कि वही खतरा फिर अमेरिका के भीतर लौट आए।' ट्रम्प ने कहा कि पिछले ढाई सौ वर्षों से अमेरिका दुनिया के लिए उम्मीद, विश्वास, रोशनी और गौरव का प्रतीक रहा है। ईश्वर की कृपा से हम आगे भी ऐसे ही रहेंगे, बल्कि इससे भी बेहतर बनेंगे। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 1776 से 4 जुलाई 2026 तक अमेरिका ने आजादी की तानाशाही पर जीत, स्वतंत्रता की दमन पर विजय और अमेरिकी भावना की ताकत को दुनिया के सामने साबित किया है। ट्रम्प ने दावा किया कि 'आज हमारा देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, ज्यादा स्वतंत्र, ज्यादा समृद्ध, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा गर्व से भरा हुआ है।

खतरे में शहबाज शरीफ की कुर्सी, इस सहयोगी पार्टी ने किया बगावत का ऐलान ! दी सड़कों पर उतरने की खुली धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। हाल ही में पाकिस्तान की सरकार में शामिल पार्टी मानी जाने वाली मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) शहबाज सरकार को धमकी दी है कि अगर उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, तो उनकी पार्टी पूरे सिंध में सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेगी। एमक्यूएम-पी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में गठबंधन सहयोगी है। पाकिस्तान के प्रसिद्ध अखबार डॉन के मुताबिक एमक्यूएम-पी ने आरोप लगाया है कि 2022 में हुए 18-सूत्रीय समझौते को अब तक लागू नहीं किया गया। पार्टी का कहना है कि यह समझौता सरकार बनाने से पहले राजनीतिक सहमति का हिस्सा था, जिसमें स्थानीय शासन,

नौकरियों में कोटा प्रणाली और संसाधनों के बंटवारे जैसे अहम मुद्दे शामिल थे।

पूरे सिंध में करेंगे आंदोलन: एमक्यूएम-पी : कराची में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता फारूक सत्तार ने इसे अंतिम चेतावनी बताया और कहा, अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो पार्टी ऐसा विरोध आंदोलन शुरू करेगी जिसे रोकना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने न तो प्रांतीय सरकार में हिस्सेदारी मांगी और न ही अतिरिक्त अधिकार, बल्कि केवल अपने समझौते को लागू करने की मांग कर रही है। सत्तार ने यह भी दावा किया कि समझौते के गारंटर के तौर पर शहबाज शरीफ स्वयं शामिल थे, इसलिए अब केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इसे लागू कराए। उन्होंने कहा कि 18 में से एक भी बिंदु अब तक लागू नहीं हुआ है, जिससे जनता में असंतोष बढ़ रहा है। बढ़ सकती हैं शहबाज शरीफ की मुश्किलें पार्टी ने संविधान के अनुच्छेद 149 का हवाला देते हुए संघीय हस्तक्षेप या जनमत संग्रह की मांग भी उठाई। साथ ही कराची में स्थानीय सरकार व्यवस्था, फर्जी डोमिसाइल और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली खत्म करने की मांग दोहराई गई। एमक्यूएम-पी सिंध प्रांत में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। पार्टी का कहना है कि कराची और अन्य शहरी क्षेत्रों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार की एक सहयोगी पार्टी का इस तरह खुलकर विरोध करना शहबाज सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

ईरान में खोदी जा रही हजारों कब्रें ! खामेनेई के जनाजे में 3,000 लोगों के मौत की आशंका

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के चार महीने बाद उनका अंतिम संस्कार किया जा रहा है। 4 जुलाई को उनके जनाजे की रस्में शुरू हो गई हैं, जो 9 जुलाई तक चलेगी और इसके बाद उनके शरीर को दफना दिया जाएगा। इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिसके मुताबिक, ईरानी सरकार खामेनेई के जनाजे से पहले हजारों कब्रें खुदवा रही है। जानकारी के मुताबिक, जर्मनी के मीडिया हाउस WELT तेहरान से मिली जानकारी के आधार पर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि ईरान की सरकार को सुप्रीम लीडर खामेनेई के जनाजे में 1,500 से 3,000 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है। इसके चलते ईरान की सरकार ने पर्दे के पीछे इस स्थिति के लिए तैयारियां भी कर ली हैं।

क्यों डरी हुई है ईरानी सरकार : ईरान सरकार ने आशंका जताई है कि अली खामेनेई के जनाजे में देशभर के लोग शामिल होंगे। सरकार के मुताबिक जनाजे में डेढ़ से दो करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। ईरान की सरकार जनाजे में शामिल होने वाले लोगों की संख्या को लेकर डरी हुई है। ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे पर भगदड़ और हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। सरकार को आशंका है कि खामेनेई के जनाजे में भी भगदड़ और अन्य घटनाएं हो सकती हैं। जिसमें 1,500 से 3,000 लोगों की जान जा सकती है। सरकार ने इन्हीं आशंकाओं के चलते एक हजार से अधिक कब्रों का इंतजाम किया है। तेहरान में नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने सच में कब्रें तैयार की हैं। जनाजे में अगर भगदड़ या गर्मी के कारण 3,000 लोगों की मौत भी हो जाती है, तो स्थिति को काबू से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि क्योंकि इतनी भीषण गर्मी और भीड़ के बीच भगदड़ होने की संभावनाएं अधिक है। इसी बीच एक पत्रकार ने दावा किया है, नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट और ईरानी रेड क्रिसेंट ने ईरान के फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद-रेजा आरिफ के एक सीक्रेट चिट्ठी भेजी है। चिट्ठी में कहा गया है कि जनाजे के दौरान भगदड़ और दूसरी घटनाओं में लोगों की मौत की आशंका के चलते तेहरान के कई कब्रिस्तानों में हजारों कब्रें तैयार की गई हैं। ईरान सरकार के इस डर के पीछे एक बड़ी वजह ईरान में बड़े नेताओं के जनाजे के दौरान लोगों की मौतों का इतिहास भी है। 1989 में जब ईरान के पहले सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी का जनाजा निकाला गया था, तब भगदड़ में 8 लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल हो गए थे।

बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोपों से अल्पसंख्यकों पर संकट: 6 महीने में 17 मामले, एचआरसीबीएम ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने आरोप लगाया है कि देश में ईशनिंदा (ब्लासफेमी) के आरोपों का इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। संगठन के अनुसार, जनवरी से जून 2026 के बीच ऐसे 17 मामले सामने आए हैं, जो एक चिंताजनक और लगातार दोहराए जा रहे पैटर्न की ओर इशारा करते हैं।

एचआरसीबीएम ने हाल ही में सुनामगंज जिले के एक हिंदू युवक दीप्तो राय के मामले का हवाला देते हुए दावा किया कि सोशल मीडिया पर आरोप लगते ही भीड़ इकट्ठा हो जाती है, पुलिस कार्रवाई शुरू हो जाती है और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले ही आरोपी और उसके परिवार को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। संगठन का कहना है कि यह केवल कानूनी मामला नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करने का तरीका बनता जा रहा है। एचआरसीबीएम ने बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

17 मामलों का किया दावा : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने कहा कि जनवरी से जून के बीच ऐसे 17 मामले दर्ज किए गए हैं, जो एक 'खतरनाक पैटर्न' को दर्शाते हैं। संगठन के अनुसार, 'हाल ही में सुनामगंज जिले के ताहिरपुर उपजिला में हिंदू अल्पसंख्यक युवक दीप्तो राय पर लगाए गए ईशनिंदा के आरोप ने इस प्रवृत्ति को फिर उजागर किया है। संगठन ने कहा कि सोशल मीडिया पर आरोप सामने आते ही भीड़ जुट जाती है, पुलिस कार्रवाई करती है, और डिजिटल फोरेंसिक जांच पूरी होने से पहले

ही आरोपी और उसके परिवार पर भारी सामाजिक दबाव बन जाता है। एचआरसीबीएम ने पीड़ित परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा कि यह आरोप 'झूठा और आधारहीन' था।

धार्मिक स्थलों को बनाया गया निशाना : एफआईआर का हवाला देते हुए संगठन ने बताया कि मामले में सोशल मीडिया पोस्ट, पुलिस हिरासत, मोबाइल फोन जब्ती और साइबर कानून से जुड़े प्रावधान शामिल हैं, लेकिन गिरफ्तारी के समय यह स्पष्ट नहीं था कि संबंधित सामग्री वास्तव में आरोपी ने पोस्ट की थी या उसका नियंत्रण उसी के पास था। संगठन ने कहा कि इस घटना के बाद आरोपी के परिवार, उनकी आजीविका और स्थानीय धार्मिक स्थल पर भी हमले और दबाव की स्थिति बनी।

अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा निशाना : ह्यूमन राइट्स कांग्रेस फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज संगठन ने कहा, 'बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए यह अब कोई अलग-थलग घटना नहीं है, बल्कि एक दोहराई जाने वाली सामाजिक हिंसा की प्रक्रिया बन गई है।' संगठन ने दावा किया कि पिछले वर्ष भी ईशनिंदा के आरोपों में 73 अल्पसंख्यक युवाओं की गिरफ्तारी हुई थी। एचआरसीबीएम ने कहा कि असली समस्या केवल आरोप नहीं है, बल्कि आरोप लगते ही सजा जैसा माहौल बन जाना है जबकि अदालत या फोरेंसिक जांच से पहले ही परिवारों, संपत्तियों और समुदायों को निशाना बनाया जाता है। एचआरसीबीएम संगठन ने बांग्लादेश सरकार, पुलिस, न्यायपालिका, मानवाधिकार आयोग और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस स्थिति को 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक सुरक्षा आपातकाल' के रूप में देखने की अपील की।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के जनप्रतिनिधि ही प्रशासन के खिलाफ

भाजपा के जनप्रतिनिधि ही प्रशासन के खिलाफ हुए लाल-पीले, महिला पार्षद ने दी 7 दिन की चेतावनी

'वरना जनता के साथ सड़कें खुद खाली करवाएंगे'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत में ट्रैफिक जाम और अवैध अतिक्रमण का मुद्दा अब बेहद गर्मा गया है। भाजपा की महिला पार्षद काव्या कथीरिया ने पुलिस आयुक्त और नगर आयुक्त को पत्र लिखकर प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। यदि निर्धारित समय में समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो उन्होंने जनता के साथ मिलकर स्वयं सड़कों से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी है।

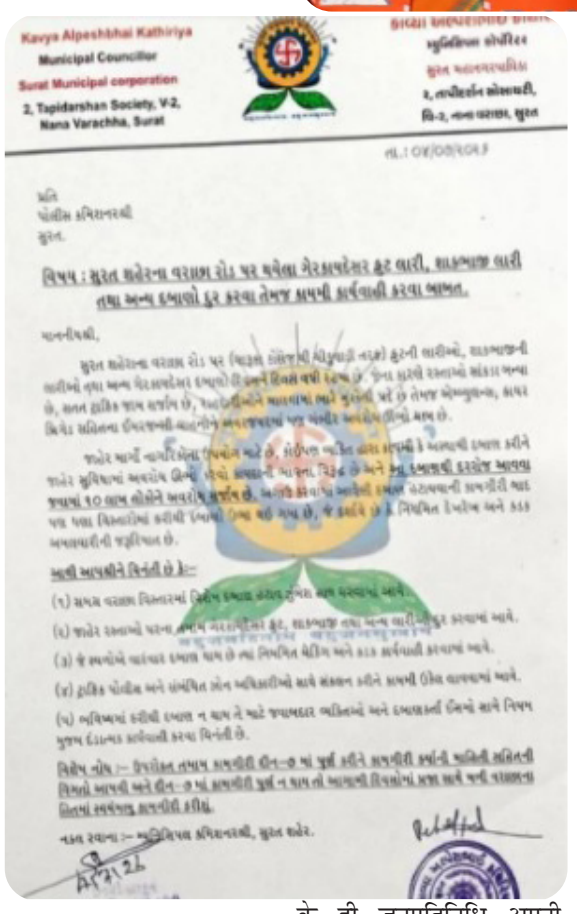

Kavya Alpeshbhai Kathiriya
Municipal Councillor
Surat Municipal corporation
2, Tapidarshan Society, V-2,
Nana Varachha, Surat

गौरतलब है कि विपक्ष के बजाय अब सत्तारूढ़ भाजपा के ही जनप्रतिनिधि अपनी सरकार के प्रशासनिक तंत्र के खिलाफ खुलकर आवाज उठा रहे हैं। वराछा के विधायक कुमार कानाणी द्वारा हाल ही में मनपा प्रशासन पर सवाल उठाने के महज दो दिन बाद अब भाजपा की महिला पार्षद काव्या कथीरिया के इस कड़े रुख से सूरत की राजनीति में हलचल मच गई है।

अपने पत्र में काव्या कथीरिया ने कहा है कि ट्रैफिक जाम और अवैध अतिक्रमण के कारण क्षेत्र के करीब 10 लाख लोग प्रतिदिन भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है और प्रशासन की उदासीनता अब असहनीय हो चुकी है।

उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले 7 दिनों के भीतर ट्रैफिक और अवैध अतिक्रमण की गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे स्थानीय नागरिकों के साथ सड़क पर उतरेंगी और स्वयं रास्तों को अतिक्रमण मुक्त करवाने की कार्रवाई करेंगी।

उल्लेखनीय है कि सूरत में ट्रैफिक जाम और सड़कों पर लारी-गल्लों के अवैध कब्जों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। दो दिन पहले ही विधायक कुमार कानाणी ने भी सोशल मीडिया और प्रशासन के समक्ष इस मुद्दे पर तीखे सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई थी।

अब भाजपा की एक अन्य महिला जनप्रतिनिधि द्वारा प्रशासन को आर-पार की लड़ाई की चेतावनी दिए जाने के बाद सूरत महानगरपालिका और पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। आम जनता की नाराजगी को आवाज देने वाला यह पत्र फिलहाल सूरत की राजनीति में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

मुंबई में भारी बारिश से गुजरात की रेल सेवाएं

यात्रियों के लिए हेल्प डेस्क और एसटी बसों की व्यवस्था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई, मुंबई में हुई मूसलाधार बारिश के कारण गुजरात से जुड़े रेल यातायात पर व्यापक असर पड़ा है। सफाले, केलवे रोड, वसई रोड और नालासोपारा रेलवे स्टेशनों के आसपास रेलवे ट्रैक पर जलभराव और ट्रैक क्षतिग्रस्त होने की स्थिति उत्पन्न होने से रेलवे प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मुंबई की ओर जाने वाली कई ट्रेनों को सूरत, वलसाड और वापी जैसे स्टेशनों पर ही रोक दिया है। वहीं, मध्य रेलवे के एक सेक्शन में भूस्खलन होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों के मार्ग भी परिवर्तित किए गए हैं। रेल सेवाएं प्रभावित होने से हजारों यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए हैं, जिनकी सहायता के लिए रेलवे और गुजरात राज्य परिवहन निगम (एसटी) ने विशेष व्यवस्था की है।

ट्रेनों के बीच मार्ग में ही रद्द या समाप्त किए जाने के कारण सूरत, वलसाड, वापी और नवसारी जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। यात्रियों को ट्रेनों की वर्तमान स्थिति, रद्दीकरण और टिकट रिफंड संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए रेलवे प्रशासन ने विभिन्न स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क शुरू किए हैं। इन हेल्प डेस्क पर कर्मचारी लगातार यात्रियों को आवश्यक जानकारी और सहायता प्रदान कर रहे हैं।

इसके अलावा, जो यात्री मुंबई या अन्य गंतव्य तक पहुंचने के लिए स्टेशनों पर फंसे हुए हैं, उनके लिए रेलवे प्रशासन ने गुजरात राज्य परिवहन निगम (एसटी) के साथ समन्वय स्थापित कर विशेष बसों की व्यवस्था की है। रेलवे स्टेशनों के बाहर एसटी बसें उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि यात्रियों को अपनी मंजिल तक पहुंचने में कम से कम परेशानी हो।

पश्चिम रेलवे द्वारा जारी ताजा अपडेट के अनुसार, रेल यातायात प्रभावित होने के कारण 13426 सूरत-मालदा टाउन एक्सप्रेस (06.07.2026) अपने निर्धारित समय से 2 घंटे 55 मिनट की देरी से रवाना होगी। यह ट्रेन पहले दोपहर 2:20 बजे प्रस्थान करने वाली थी, लेकिन अब इसका नया प्रस्थान समय शाम 5:15 बजे निर्धारित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे बदले हुए समय के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

रेलवे प्रशासन ने प्राकृतिक आपदा के कारण यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया है। साथ ही यात्रियों से अपील की है कि भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए घर से निकलने या रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले अपनी ट्रेन की नवीनतम स्थिति हेल्प डेस्क, रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या ऑनलाइन माध्यम से अवश्य जांच लें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

बारिश से बदली सूरत की सूरत, घुटनों तक पानी में फंसे वाहन

सूरत में अति भारी बारिश से बिगड़े हालात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सोमवार दोपहर बाद सूरत में हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे शहर की रफ्तार थाम दी। महज दो घंटे में 4.41 इंच बारिश दर्ज होने से शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। अडाजण, सलाबतपुरा,

कतारगाम, वराछा, पालनपुर और उधना समेत कई क्षेत्रों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ। मुख्य सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और कई वाहन पानी में फंस गए। तेज हवा के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आईं।

गुजरात में मानसून ने जोरदार दस्तक दी है। सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक राज्य के 98 तालुकों में बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सूरत शहर में सबसे अधिक 4.41 इंच बारिश हुई। कामरेज में 3.31 इंच, जबकि वलसाड जिले के वापी में 4.13 इंच, पारडी में 4.09 इंच और नानापोंढा में 2.99 इंच वर्षा दर्ज की गई।

दोपहर बाद शुरू हुई तेज बारिश ने सूरत के अधिकांश इलाकों को जलमग्न कर दिया। लगातार बारिश के कारण मुख्य सड़कें, आंतरिक मार्ग और निचले इलाके पानी में डूब गए। कार्यालयों की छुट्टी का समय होने से सड़कों पर पहले से ही भारी यातायात था। पानी भर जाने के कारण कई स्थानों पर लंबा जाम लग गया और वाहन चालकों को घंटों तक सड़क पर फंसे रहना पड़ा। रांदेर जोन के अडाजण स्थित ऋषभ चौराहे के पास बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था ठप हो गई, जिससे पूरा इलाका तालाब में तब्दील हो गया। मुख्य सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाने से दोपहिया और चारपहिया वाहन बीच सड़क पर फंस गए। कई वाहन बंद हो गए, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी दौरान तेज हवा के कारण एक पेड़ भी गिर गया, जिससे यातायात और अधिक प्रभावित हुआ। कई स्थानों पर सीवर का गंदा पानी भी बारिश के पानी के साथ सड़कों पर बहता दिखाई दिया।

सलाबतपुरा क्षेत्र में स्थित सप्तशृंगी माता मंदिर के आसपास का इलाका एक बार फिर जलमग्न हो गया। सड़क पर पानी भरने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सूरत महानगरपालिका (एसएमसी) के अधिकारी और कर्मचारी विभिन्न जोनों में राहत एवं जल निकासी कार्य में जुट गए। हालांकि, कई इलाकों में लंबे समय तक पानी भरा रहने से स्थानीय लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

सूरत में मूसलाधार बारिश के बीच जर्जर आवासों के निवासियों का तापी भवन पर हल्ला बोल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत के भेस्तान क्षेत्र स्थित सरस्वती आवास और भीमनगर आवास की जर्जर इमारतों में रहने वाले परिवारों ने सोमवार को सूरत महानगरपालिका के तापी भवन पर विरोध प्रदर्शन किया। पिछले 11 वर्षों से लगातार मांग करने के बावजूद पुनर्विकास, वैकल्पिक आवास या किराए की व्यवस्था नहीं होने से नाराज लोगों ने मूसलाधार बारिश के बीच भी नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनका आरोप है कि नगर निगम मकान खाली कराने का दबाव बना रहा है, लेकिन रहने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई जा रही। प्रभावित परिवारों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी है।

सोमवार को भेस्तान क्षेत्र के सरस्वती आवास और भीमनगर आवास के सैकड़ों निवासी तापी भवन पहुंचे। तेज बारिश के बावजूद महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल हुए और नगर निगम के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले 11 वर्षों से लगातार ज्ञापन और आवेदन देने के बावजूद नगर निगम ने न तो पुनर्विकास की प्रक्रिया शुरू की है और न ही वैकल्पिक आवास या किराए की कोई व्यवस्था की है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि झुग्गी पुनर्वास योजना के तहत उन्हें पक्के मकान तो दिए गए, लेकिन घटिया निर्माण गुणवत्ता के कारण कुछ ही वर्षों में ये मकान जर्जर हो गए। वर्षों से लोग छत और स्लैब के हिस्से गिरने जैसी घटनाओं के बीच अपनी जान जोखिम में डालकर रहने को मजबूर हैं। कई बार शिकायत और पत्र देने के बावजूद समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।

विरोध प्रदर्शन के दौरान अचानक तेज बारिश शुरू हो गई, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे। महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग बारिश में भीगते हुए भी तापी भवन के बाहर डटे रहे और लगातार अपना विरोध दर्ज कराते रहे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नगर निगम केवल मकान खाली कराने की बात करता है, लेकिन रहने के लिए न तो कोई वैकल्पिक आवास देता है और न ही किराए की व्यवस्था करता है। इससे प्रभावित परिवारों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है।

प्रभावित निवासी हेमाबेन राठौड़ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से वे लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन कोई अधिकारी उनकी पीड़ा सुनने को तैयार नहीं है। छोटे-छोटे बच्चों के साथ जर्जर मकानों में रहना मजबूरी बन गया है। उन्होंने कहा, 'अगर मकान खाली करवाना है तो पहले हमें रहने के लिए सुरक्षित जगह या किराया दिया जाए। आखिर हम जाएं तो जाएं कहां?'

एक अन्य प्रभावित निवासी ने बताया कि सरस्वती आवास और भीमनगर आवास के लोगों ने वर्षों से कई बार लिखित आवेदन दिए हैं, लेकिन आज तक पुनर्विकास की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि सरस्वती आवास के कुछ परिवारों को दूसरे स्थान पर बसाया गया था, लेकिन वहां भी कुछ ही समय में मकान जर्जर हो गए। उन्होंने मांग की कि सुरक्षित वैकल्पिक आवास या किराए की व्यवस्था किए बिना किसी भी परिवार से मकान खाली न कराया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि नगर निगम जल्द कोई निर्णय नहीं लेता, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

सूरत में सड़कों से लेकर सोसायटियों तक घुटनों तक पानी, जनजीवन प्रभावित-दो युवकों की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भारी बारिश के बीच एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जिसमें दो युवकों की असामयिक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों युवकों की मौत बारिश के दौरान बिजली का करंट लगने से हुई है। हालांकि, घटना के समय आकाश में तेज गर्जना और बिजली भी चमक रही थी। ऐसे में यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उनकी मौत शॉर्ट सर्किट के कारण करंट लगने से हुई या फिर आकाशीय बिजली गिरने से।

फिलहाल पूरा मामला जांच का विषय बना हुआ है। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मौसम विभाग ने सूरत के लिए भारी से अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया था। शाम होते ही शहर में काले बादलों की गर्जना और तेज बिजली की चमक के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। कुछ ही घंटों में हुई इस बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो गया। विशेष रूप से निचले इलाके पूरी तरह पानी में डूब गए। देर शाम तक लगातार बारिश के कारण सैकड़ों परिवारों और वाहन चालकों की परेशानियां बढ़ गई तथा कई स्थानों पर आपातकाल जैसी स्थिति बन गई।

तेज बारिश के कारण कई इलाकों में दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर पानी भर जाने और हेडलाइट चालू होने के बावजूद सामने का रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। इसके चलते वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई और शहर के कई हिस्सों में लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

इस दौरान खटोदरा पुलिस स्टेशन परिसर में भी घुटनों तक पानी भर गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी स्वयं पुलिसकर्मियों के साथ सड़क पर उतर आए और तेज बारिश में भीगते हुए यातायात को सामान्य बनाने का प्रयास किया।

उधना और पांडेसरा में बाढ़ जैसे हालात

शाम से शुरू हुई तेज बारिश के कारण उधना और पांडेसरा सहित कई औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। उधना यार्ड, लिंबायत स्थित बुद्ध सोसायटी तथा पांडेसरा के महालक्ष्मी नगर में घुटनों तक पानी भर गया। कई घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुसने से अनाज, घरेलू सामान और अन्य वस्तुओं का भारी नुकसान हुआ। लोगों को अपने छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा।

प्री-मानसून तैयारियों की खुली पोल

महज कुछ घंटों की बारिश ने सूरत महानगरपालिका द्वारा किए गए करोड़ों रुपये के प्री-मानसून कार्यों की पोल खोल दी। पांडेसरा-बमरौली रोड पर कर्मयोगी और श्रीरामनगर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पूरी तरह जलमग्न हो गई और पूरा इलाका टापू जैसा दिखाई देने लगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष मानसून की शुरुआत में ही यह सड़क तालाब बन जाती है, लेकिन वर्षों से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान प्रशासन आज तक नहीं कर पाया है। इससे नगर निगम के प्रति लोगों में भारी नाराजगी है।

तेज बारिश और आंधी से कई स्थानों पर नुकसान

भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण जिले के कई इलाकों में नुकसान की घटनाएं भी सामने आई हैं। महुवा तालुका के फुलवाड़ी गांव में आंधी और बारिश के कारण सुरेशभाई पटेल के कच्चे मकान की छत का पिछला हिस्सा ढह गया। वहीं अंबिका तालुका के बाम्भणिया गांव में सुमनभाई के पुराने मकान का एक हिस्सा भी गिर गया। राहत की बात यह रही कि इन घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

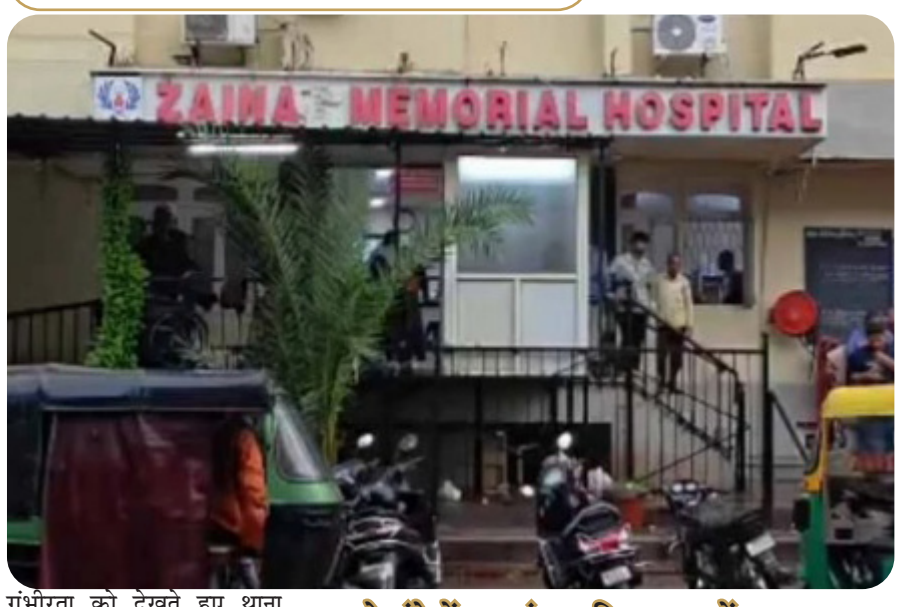

दो घंटे में चार इंच बारिश, शहर में जलभराव

पूरे सूरत जिले में लगातार भारी बारिश हो रही है। जिला फ्लड कंट्रोल रूम के अनुसार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे में जिले के सभी तालुकों में वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान केवल दो घंटे में सूरत शहर में लगभग 4 इंच बारिश हुई, जिससे शहर के कई हिस्सों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई।

आज पूरे जिले में औसतन 37.17 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक सबसे अधिक 112 मिमी बारिश सूरत शहर में हुई। विशेष रूप से शाम 4 बजे से 6 बजे के बीच 105 मिमी (लगभग 4 इंच) वर्षा होने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। अन्य तालुकों में कामरेज में 84 मिमी, बारडोली और अंबिका में 38 मिमी, पलसाणा में 35 मिमी, चौर्यासी में 32 मिमी, मंगरोल में 26 मिमी, ओलपाड में 24 मिमी, महुवा में 18 मिमी, उमरपाड़ा में 17 मिमी, अरेठ में 15 मिमी, जबकि मांडवी में सबसे कम 7 मिमी बारिश दर्ज की गई।